

साप्ताहिक

अनदेखी खबर

RNI NO. UPHIN/2023/90184

आवश्यकता है हिंदू साप्ताहिक जनपद हापुड़ से प्रकाशित अनदेखी खबर समाचार पत्र में के हापुड़, बुलंदशहर, गाजियाबाद, नोएडा आदि जनपदों में जिला प्रभारी, तहसील संवाददाता कैमरा मैन पत्रकारों की संपर्क करें - 9410438704

वर्ष: 3 अंक:104 | हापुड़ सोमवार 02 नवम्बर 2026 से 08 नवम्बर तक | मूल्य: 03 पेज: 08

दीपोत्सव के ऐतिहासिक दसवें संस्करण को लेकर सीएम योगी उत्साहित,

बोले- अयोध्या की सांस्कृतिक पहचान और गौरव की हुई पुनर्स्थापना

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या में आयोजित होने वाले दसवें दीपोत्सव को भारत के सांस्कृतिक गौरव, सनातन परंपरा और राष्ट्र के आत्मसम्मान की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय बताया है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2017 में पुण्यसलिला सरयू के तट पर प्रज्वलित संकल्प की एक लौ ने आज भारतीय संस्कृति को वैश्विक पटल पर नई पहचान और प्रतिष्ठा दिलाई है। दीपोत्सव का यह ऐतिहासिक दशक केवल दीपों की जगमगाहट और विश्व कीर्तिमानों तक सीमित नहीं है, बल्कि सदियों की प्रतीक्षा के बाद अयोध्या को उसकी सांस्कृतिक पहचान और गौरव के साथ पुन: प्रतिष्ठित करने का प्रतीक बन गया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार सुबह सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर दीपोत्सव के दसवें संस्करण पर अपनी भावनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने लिखा कि श्री अयोध्या धाम में दीपोत्सव का यह दशक प्रभु श्रीराम की नगरी के त्रेतायुगीन वैभव, सनातन संस्कृति के पुनर्जागरण और राष्ट्र के आत्मगौरव की पुनर्स्थापना का स्वर्णिम अध्याय है। राम की पैड़ी पर प्रज्वलित लाखों दीपों ने केवल अंधकार को दूर नहीं किया, बल्कि आस्था, अंत्योदय और स्थानीय स्वावलंबन की नई ज्योति भी जगाई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह गौरवशाली दशक उस ऐतिहासिक संकल्प की सिद्धि का साक्षी है, जिसने सदियों की प्रतीक्षा को भव्य यथार्थ में बदल दिया। उन्होंने दीपोत्सव के अवसर पर लोगों से प्रभु श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में आत्मसात करने की अपील की। उन्होंने ऐसे रामराज्य की कल्पना को साकार करने का आह्वान किया, जहां विकास का प्रकाश समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचे और आस्था, समरसता



तथा सेवा की सनातन ज्योति सदैव प्रकाशित होती रहे। दो दिन अयोध्या में रहेंगे मुख्यमंत्री दसवें दीपोत्सव के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार और रविवार को दो दिन अयोध्या में रहेंगे। इस दौरान वह भगवान श्रीराम के स्वागत, राजतिलक, सरयू आरती और दीप प्रज्ज्वलन सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में शामिल होंगे। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में रामनगरी में परंपरा, आस्था और आधुनिक तकनीक का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। राम की पैड़ी पर लाखों दीपों की रोशनी के साथ प्रोजेक्शन मैपिंग, लेजर शो और ड्रोन शो भी आकर्षण का केंद्र होंगे प्रस्तावित कार्यक्रम क्रमानुसार मुख्यमंत्री दोपहर करीब 2:40 बजे रामकथा पार्क के निकट बने हेलीपैड पर पहुंचेंगे। यहां से वह दीपोत्सव की भव्य झांकियों का अवलोकन करेंगे और रथ खींचने के कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके बाद हेलीकॉप्टर से भगवान श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के स्वरूपों के साथ अयोध्या के ऊपर पुष्पवर्षा करेंगे। इसके बाद वह सीधे राम की पैड़ी पहुंचेंगे, जहां मां सरयू की आरती करेंगे। मुख्यमंत्री की मौजूदगी में राम की पैड़ी पर दीप प्रज्ज्वलन का भव्य आयोजन होगा। दीपों से जगमगाती रामनगरी में प्रोजेक्शन मैपिंग के माध्यम से भगवान श्रीराम की जीवनगाथा का प्रदर्शन किया जाएगा। इसके साथ ही आकर्षक ड्रोन और लेजर शो भी आयोजित होंगे। मुख्यमंत्री राम की पैड़ी पर बने मंच से लोगों को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह सरयू पुल पहुंचकर हरित पटाखों के प्रदर्शन का अवलोकन करेंगे। हरित आतिशबाजी के बाद मुख्यमंत्री पुन: रामकथा पार्क पहुंचेंगे और वहां आयोजित रामलीला का आनंद लेंगे। रात्रि में उनके सरयू अतिथि गृह में विश्राम का कार्यक्रम प्रस्तावित है। अयोध्या का दसवां दीपोत्सव धार्मिक आस्था के साथ सांस्कृतिक विरासत, पर्यटन और स्थानीय स्वावलंबन को बढ़ावा देने के लिहाज से भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने संदेश में दीपोत्सव को केवल उत्सव नहीं, बल्कि प्रभु श्रीराम के आदर्शों को जनजीवन में उतारने और समाज के प्रत्येक वर्ग तक विकास का प्रकाश पहुंचाने का अवसर बताया है।

राहुल गांधी हर सकारात्मक पहल की

आलोचना का बहाना ढूंढते हैं: अर्जुन राम मेघवाल

बीकानेर। केंद्रीय कानून एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने शनिवार को कांग्रेस और उसके शीर्ष नेतृत्व पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि पार्टी सकारात्मक पहलों और रचनात्मक कार्यों का विरोध करने की राजनीति करती है। मतदाता पहचान पत्र (ईपीआईसी) को आधार और कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने के प्रस्ताव पर राहुल गांधी की टिप्पणी के जवाब में उन्होंने कहा कि राहुल गांधी हर सकारात्मक पहल की आलोचना करने का बहाना ढूंढ लेते हैं। बीकानेर में मीडिया से बातचीत के दौरान मेघवाल ने कहा कि तकनीकी विकास एक निरंतर प्रक्रिया है। ऐसे में नई व्यवस्था पर बिना उसके उद्देश्य को समझे सवाल उठाना उचित नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि राहुल गांधी ने सर्जिकल स्ट्राइक और एयर



स्ट्राइक जैसे कदमों की भी आलोचना की थी। अशोक गहलोत की टिप्पणियों पर प्रतिक्रिया देते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि लोकतंत्र में अव्यवस्था का माहौल बनाने वालों को जनता जवाब देती है। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत ने आकाशवाणी परिसर में अराजकता का माहौल बनाया था। मेघवाल के मुताबिक, चुनाव आयोग से मुलाकात के लिए प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों की सूची और ज्ञापन देना आवश्यक होता है, लेकिन इस मामले में निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि इसी तरह की परिस्थितियों के विरोध में भाजपा ने 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान शुरू किया है। मेघवाल ने कांग्रेस को 1975 के आपातकाल की याद दिलाते हुए कहा कि उस दौर में संवैधानिक संस्थाओं पर दबाव बनाया गया था। उन्होंने कहा कि विरोध के नाम पर अशांति फैलाने की राजनीति लोकतंत्र के हित में नहीं है।

शाहजहांपुर में पुलिस मुठभेड़ में 25 मुकदमों का आरोपी घायल, सिपाही को भी लगी गोली

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश आधुनिक रेल परिवहन और युवाओं के कौशल सशक्तीकरण की दिशा में दो महत्वपूर्ण उपलब्धियों का साक्षी बनेगा। प्रधानमंत्री शनिवार को वाराणसी और दिल्ली के बीच चलने वाली अत्याधुनिक वंदे भारत स्लीपर ट्रेन का शुभारंभ करेंगे। वहीं, लखनऊ में सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण व रोजगार क्षेत्र विकास योजना की शुरुआत होगी। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि बाबा विश्वनाथ की नगरी काशी से राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली तक रेल संपर्क को नई गति मिलेगी। आधुनिक रेल सेवा



से प्रदेश में व्यापार, पर्यटन और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने कहा कि कौशल विकास योजना युवाओं की प्रतिभा निखारने और उन्हें रोजगार तथा स्वरोजगार के नए अवसरों से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। मुख्यमंत्री ने वर्ष 2017 से पहले की राजनीतिक परिस्थितियों का उल्लेख करते हुए कहा कि उस समय तुष्टीकरण, जातिवाद और परिवारवाद की राजनीति ने सामाजिक समरसता को नुकसान पहुंचाया था। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में डबल इंजन सरकार ने राष्ट्र प्रथम और सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास के मंत्र को सुशासन का आधार बनाया है।

सरदार वल्लभभाई पटेल को याद करते हुए योगी ने कहा कि राष्ट्रीय एकता और अखंडता बनाए रखना प्रत्येक भारतीय का कर्तव्य है। उन्होंने सरदार पटेल की जयंती और राष्ट्रीय एकता दिवस पर आयोजित 'रन फॉर यूनिटी' में लोगों से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि एकता दौड़ का प्रत्येक कदम राष्ट्र की अखंडता के प्रति समर्पण का प्रतीक होना चाहिए।

दिवाली पर देशभर में 7 लाख करोड़ के कारोबार की उम्मीद, दिल्ली में बिक्री एक लाख करोड़ के पार

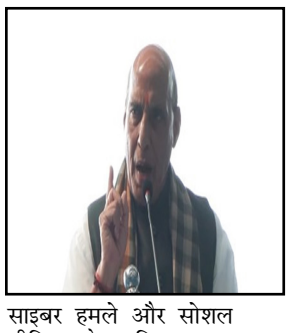
नई दिल्ली। दिवाली और धनतेरस के अवसर पर देशभर के बाजारों में इस वर्ष जबरदस्त खरीदारी देखने को मिली। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के अनुसार, दिल्ली में दिवाली से संबंधित कारोबार एक लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार कर चुका है, जबकि राष्ट्रीय स्तर पर कुल बिक्री छह लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गई है। बाजारों में ग्राहकों की लगातार बढ़ती भीड़ को देखते हुए देशभर में कारोबार सात लाख करोड़ रुपये से ऊपर पहुंचने की संभावना है। कैट के महासचिव एवं सांसद प्रवीण खंडेलवाल ने शनिवार को जारी बयान में बताया कि



सोना-चांदी, आभूषण, मोबाइल, इलेक्ट्रॉनिक्स, घरेलू उपकरण, कपड़े और फैशन उत्पादों की मांग में तेजी रही। इसके अलावा मिट्टी के दीये, लक्ष्मी-गणेश की मूर्तियां, पूजा सामग्री और मिठाइयों की बिक्री भी बढ़ी। ऑटोमोबाइल, खादी, हथकरघा और हस्तशिल्प उत्पादों को भी खरीदारों का अच्छा समर्थन मिला। खंडेलवाल ने कहा कि इस कारोबार से छोटे-बड़े व्यापारियों, रेहड़ी-पटरी विक्रेताओं, कारीगरों, महिला उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों और परिवहन व लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़े लाखों लोगों को लाभ हुआ है। उन्होंने कहा कि इस बार उपभोक्ता भारतीय और स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'वोकल फॉर लोकल' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान का असर बाजारों में दिखाई दे रहा है। कैट ने त्योहारी खरीदारी में उत्साह दिखाने वाले नागरिकों का आभार जताया।

जवानों का शौर्य और अनुशासन भारतीय वायुसेना की सबसे बड़ी ताकत: राजनाथ सिंह

बागडोगरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बागडोगरा एयरफील्ड पर भारतीय वायुसेना के एयर वॉरियर्स से मुलाकात कर उनके शौर्य, साहस और समर्पण की सराहना की। उन्होंने कहा कि वह जवानों से औपचारिक बातचीत करने नहीं, बल्कि दिल की बातें साझा करने आए हैं। जवानों का समर्पण ही देश की सबसे बड़ी ताकत है और वे हर चुनौती का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहते हैं। राजनाथ सिंह ने कहा कि बागडोगरा रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण क्षेत्र है। यहां तैनात वायुसेना के जवान पूर्वी क्षेत्र की सुरक्षा के लिए मजबूत कवच की भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सुरक्षा परिदृश्य जटिल हो गया है। युद्ध अब केवल सीमा पर गोलीबारी तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें प्रॉक्सी वॉर,



साइबर हमले और सोशल मीडिया के जरिए भ्रामक सूचनाएं फैलाना भी शामिल है। रक्षा मंत्री ने जवानों से सतर्कता, विवेक और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया। अब यह बहुत विस्तृत हो गया है। उन्होंने कहा, 'इसमें प्रॉक्सी वॉर, साइबर अटैक सहित नैरेटिव मैनेजमेंट तक शामिल हैं। दुश्मन कई बार सीधे टकराव से बचता है। हमारी कमजोरियों को भुनाने का प्रयास करता है। दुश्मन सोशल मीडिया के माध्यम से भ्रामक सूचना फैलाकर स्थानीय जनता और सैनिकों के मन में संदेह पैदा करने का प्रयास करता है।' उन्होंने कहा कि आधुनिक तकनीक तभी प्रभावी है, जब सैनिकों में अनुशासन और साहस हो। स्थानीय लोगों से बेहतर जुड़ाव भी दुश्मन की साजिशों को नाकाम करने में मददगार है। उन्होंने स्वदेशी रक्ष तकनीक और एंटी ड्रोन सिस्टम के विकास का उल्लेख करते हुए कहा कि भारतीय सेनाओं को भविष्य में और अधिक तकनीक आधारित बनाया जाएगा। अंत में उन्होंने नए एयर चीफ मार्शल आशुतोष दीक्षित को बधाई दी और उनके नाम का अर्थ बताते हुए कहा कि दुश्मनों के लिए बेहतर यही है कि उन्हें उनका रौद्र रूप न देखना पड़े।

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए सरकारी और निजी अस्पतालों का एकीकरण जरूरी: डीएम



हापुड़। सरस्वती मेडिकल कॉलेज, पिलखुवा-हापुड़ में 3 नवंबर 2026 को आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम), उत्तर प्रदेश के अंतर्गत जिला स्तरीय एबीडीएम सम्मेलन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना (आईएएस) उपस्थित रहीं। सम्मेलन का मुख्य उद्देश्य जनपद के डिजिटल स्वास्थ्य इकोसिस्टम में सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य सेवाओं का एकीकरण करना रहा। कार्यक्रम के दौरान आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन की विभिन्न योजनाओं और सुविधाओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इसमें आभा आईडी निर्माण, हेल्थ प्रोफेशनल रजिस्ट्री, हेल्थ फैसिलिटी रजिस्ट्रेशन तथा डिजिटल हेल्थ रिकॉर्ड्स के महत्व को बताया गया। वक्ताओं ने डिजिटल माध्यम से स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक सुलभ, पारदर्शी और व्यवस्थित बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। मुख्य अतिथि जिलाधिकारी कविता मीना ने अपने संबोधन में कहा कि आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन स्वास्थ्य क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण और क्रांतिकारी पहल है। इसके माध्यम से जनपद के नागरिकों का डिजिटल स्वास्थ्य रिकॉर्ड एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेगा। इससे मरीजों को उपचार के दौरान अपनी स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने और साझा करने में सुविधा मिलेगी। साथ ही सरकारी और निजी स्वास्थ्य सेवाओं के बीच बेहतर समन्वय स्थापित होगा। जिलाधिकारी ने कहा कि डिजिटल स्वास्थ्य व्यवस्था को प्रभावी बनाने के लिए सभी संबंधित संस्थानों की भागीदारी जरूरी है। उन्होंने जनपद के निजी अस्पतालों और चिकित्सकों से आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन से जुड़ने की अपील की, ताकि अधिक से अधिक नागरिकों को इसका लाभ मिल सके। सम्मेलन में डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार और जनपद में एबीडीएम के प्रभावी क्रियान्वयन पर जोर दिया गया।

विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर डीएम ने स्ट्रांग रूम और खांगी स्थल का किया निरीक्षण



हापुड़। आगामी विधानसभा चुनाव को निष्पक्ष, शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 3 नवंबर 2026 को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती कविता मीना (आईएएस) ने नवीन मंडी परिसर में स्थित स्ट्रांग रूम और पोलिंग पार्टियों के रवांगी स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चुनाव से जुड़ी सुरक्षा व्यवस्थाओं और आवश्यक सुविधाओं का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरों की क्रियाशीलता, विद्युत आपूर्ति, अग्निशमन यंत्रों की उपलब्धता, बैरिकेडिंग और परिसर में साफ-सफाई की स्थिति की जांच की। उन्होंने अधिकारियों से व्यवस्थाओं की जानकारी लेते हुए निर्देश दिया कि स्ट्रांग रूम की सुरक्षा में किसी भी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। सुरक्षा से संबंधित सभी उपकरण पूरी तरह क्रियाशील रखे जाएं तथा उनकी नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए। इसके बाद जिलाधिकारी ने रवांगी स्थल का निरीक्षण कर पोलिंग पार्टियों के आवागमन और सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने वाहनों की पार्किंग, पोलिंग पार्टियों के बैठने की व्यवस्था, चुनाव सामग्री के वितरण तथा मतदान के बाद सामग्री जमा कराने की प्रक्रिया को व्यवस्थित रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मतदान कर्मियों को किसी प्रकार की असुविधा नहीं होनी चाहिए और सभी व्यवस्थाएं निर्धारित समय से पहले पूरी कर ली जाएं। जिलाधिकारी कविता मीना ने स्पष्ट निर्देश दिए कि स्ट्रांग रूम में त्रिस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। साथ ही भारत निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित मानकों और दिशा-निर्देशों का पूरी तरह पालन किया जाए। उन्होंने कहा कि चुनाव लोकतंत्र का महत्वपूर्ण पर्व है और इसे निष्पक्ष, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध तरीके से तैयारियां पूरी करें।

संपादकीय...

आर्थिक विकास को संबल देते त्योहार

सुरजीत सिंह। दिसंबर 2025 में यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत सूची में दीपावली को मान्यता मिलने के बाद भारत के सामने इसे अंतरराष्ट्रीय पर्यटन महोत्सव के रूप में विकसित करने का सुनहरा अवसर है। अयोध्या का भव्य दीपोत्सव, वाराणसी की देव दीपावली, जयपुर के रोशनी से जगमगाते बाजार और उदयपुर के प्रकाशित महल दुनिया भर के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता रखते हैं। यदि इन आयोजनों को एक साझा राष्ट्रीय ब्रांड के तहत जोड़कर पांच से सात दिन का अंतरराष्ट्रीय दीपावली महोत्सव आयोजित किया जाए, तो भारतीय संस्कृति को वैश्विक पहचान मिलने के साथ पर्यटन और स्थानीय कारोबार को भी बड़ा लाभ हो सकता है। इस महोत्सव में सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, प्रकाश कला प्रदर्शनियां, पारंपरिक खानपान, हस्तशिल्प मेले और फोटोग्राफी जैसे आयोजन शामिल किए जा सकते हैं। इससे स्थानीय कलाकारों, कारीगरों और छोटे उद्यमियों को अपने उत्पादों के प्रदर्शन तथा बिक्री के लिए अंतरराष्ट्रीय मंच मिलेगा। 'वोकल फॉर लोकल' की भावना को भी मजबूती मिलेगी। नवरात्रि और दीपावली के त्योहारी सीजन में खुदरा कारोबार 3.75 लाख करोड़ से 4.25 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचता है। दीपावली को वैश्विक पर्यटन ब्रांड बनाने से इस कारोबार को पांच लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचाने की संभावनाएं बन सकती हैं। दुनिया के कई देशों ने अपने सांस्कृतिक आयोजनों को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाकर पर्यटन अर्थव्यवस्था को मजबूत किया है। ब्राजील का रियो कार्निवाल, जर्मनी का ओक्टोबरफेस्ट, आयरलैंड का सेंट पैट्रिक दिवस, जापान का स्नो फेस्टिवल और थाईलैंड का लैंटर्न फेस्टिवल इसके उदाहरण हैं। इन आयोजनों में बड़ी संख्या में पर्यटक पहुंचते हैं और स्थानीय अर्थव्यवस्था को लाभ मिलता है। भारत में भी 'एक राज्य, एक अंतरराष्ट्रीय महोत्सव' की अवधारणा पर काम किया जा सकता है। असम के बिहू को अंतरराष्ट्रीय लोक संस्कृति एवं नृत्य महोत्सव, गुजरात के रण उत्सव को अंतरराष्ट्रीय डेजर्ट फेस्टिवल, नगालैंड के हार्नबिल महोत्सव को जनजातीय संस्कृति उत्सव और राजस्थान के पुष्कर मेले को अंतरराष्ट्रीय पशु एवं मरुस्थलीय मेले के रूप में विकसित किया जा सकता है। इसी तरह कर्नाटक का मैसूर दशहरा, केरल का ओणम, पश्चिम बंगाल की दुर्गा पूजा, महाराष्ट्र का गणेशोत्सव, तमिलनाडु का पोंगल और बिहार का सोनपुर मेला भी वैश्विक पर्यटन आकर्षण बन सकते हैं। इसके लिए भारत का एक राष्ट्रीय महोत्सव कैलेंडर तैयार किया जाना चाहिए। दुनिया भर में बसे करीब 3.2 करोड़ एनआरआई को भारतीय संस्कृति का राजदूत बनाकर होमकमिंग टूरिज्म को बढ़ावा दिया जा सकता है। 'इनक्रेडिबल इंडिया' एप के माध्यम से विशेष पर्यटन पैकेज, सिंगल-विंडो बुकिंग, लाइव गाइड और रूट मैप जैसी सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकती हैं। इससे विदेशों में रहने वाली नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने में मदद मिलेगी। विदेशी पर्यटकों को केवल होटलों और प्रमुख पर्यटन स्थलों तक सीमित रखने के बजाय ग्रामीण परिवारों के साथ त्योहार मनाने, पारंपरिक भोजन बनाने और स्थानीय रीति-रिवाजों को समझने के अवसर भी दिए जाने चाहिए। इससे ग्रामीण पर्यटन, हस्तशिल्प, लोककला और छोटे कारोबार को बढ़ावा मिलेगा। निजी पर्यटन उद्योग, होटल एसोसिएशन और स्थानीय निकायों को मिलकर व्यापक रणनीति बनानी होगी। भारत के पर्व केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी विविधता, परंपरा और सामुदायिक एकता के प्रतीक हैं। इन्हें वैश्विक मंच देकर भारत पर्यटन, रोजगार, विदेशी मुद्रा आय और सांस्कृतिक पहचान के क्षेत्र में नई ऊंचाइयां हासिल कर सकता है।

बेलगाम हुआ प्रदूषण

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर समेत उत्तर भारत के शहरों में लगातार बढ़ता वायु प्रदूषण गंभीर चिंता का विषय बन गया है। सुप्रीम कोर्ट ने भी दिल्ली-एनसीआर में भारी ट्रैफिक जाम पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि प्रदूषण नियंत्रित करने के लिए आखिर क्या ठोस कदम उठाए गए हैं। अदालत की इस टिप्पणी को प्रदूषण नियंत्रण एजेंसियों, स्थानीय निकायों और पुलिस को गंभीरता से लेने की जरूरत है। वाहनों से निकलने वाला धुआं वायु प्रदूषण के प्रमुख कारणों में शामिल है, लेकिन इसके बावजूद ट्रैफिक व्यवस्था सुधारने पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। विडंबना यह है कि दीपावली जैसे बड़े त्योहार के समय लोग विषाक्त हवा और जाम की दोहरी समस्या से जूझ रहे हैं। त्योहार के दौरान गरीब और छोटे कारोबारी अतिरिक्त कमाई की उम्मीद करते हैं, लेकिन जाम के कारण उनके कारोबार पर भी असर पड़ता है। प्रदूषण की समस्या अब केवल दिल्ली तक सीमित नहीं है। उत्तर भारत के छोटे-बड़े शहरों में भी हवा की गुणवत्ता लगातार प्रभावित हो रही है।

अक्सर प्रशासन तब सक्रिय होता है, जब प्रदूषण का स्तर खतरनाक स्थिति में पहुंच जाता है। ट्रैफिक जाम भी प्रदूषण बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। धीमी गति से चलने और लंबे समय तक एक ही स्थान पर खड़े रहने वाले वाहनों से उत्सर्जन बढ़ता है। उत्तर भारत के अधिकांश शहरों में जाम का बड़ा कारण सड़कों और फुटपाथों पर अतिक्रमण है। कई स्थानों पर फुटपाथ दुकानों और अवैध कब्जों की चपेट में हैं। दुकानों के सामने वाहनों की पार्किंग से सड़कें और संकरी हो जाती हैं। इसके अलावा ऑटो, रिक्शा और बसों के अनियंत्रित स्टॉपेज भी यातायात बाधित करते हैं। ऐसे में जरूरी है कि स्थानीय निकाय अतिक्रमण हटाएं, फुटपाथों को पैदल यात्रियों के लिए खाली कराएं और वाहनों के लिए निर्धारित पार्किंग तथा स्टॉपेज की व्यवस्था सुनिश्चित करें। प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण के लिए केवल अस्थायी अभियान पर्याप्त नहीं होंगे। पराली और कूड़ा जलाने पर रोक, निर्माण स्थलों पर धूल नियंत्रण, नियमित सड़क सफाई और बेहतर यातायात प्रबंधन को पूरे वर्ष लागू करना होगा। तभी उत्तर भारत के शहरों को प्रदूषण और जाम की दोहरी समस्या से राहत मिल सकेगी।

पिलखुवा में तिरुपति बंगाली स्वीट्स पर खाद्य विभाग का छापा, 650 किलो मिठाई नष्ट



हापुड़। त्योहारों के मद्देनजर मिलावटी और अस्वच्छ खाद्य पदार्थों की बिक्री पर रोक लगाने के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग लगातार कार्रवाई कर रहा है। इसी क्रम में हापुड़ जिले के पिलखुवा स्थित तिरुपति बंगाली स्वीट्स पर खाद्य विभाग की टीम ने औचक छापा मारा। निरीक्षण के दौरान मिठाई का निर्माण और भंडारण अस्वच्छकर परिस्थितियों में पाया गया। इस पर विभागीय टीम ने करीब 650 किलोग्राम छेना मिठाई और गुलाब जामुन मौके पर ही नष्ट करा दिए। नष्ट की गई मिठाइयों की बाजार कीमत लगभग 97 हजार रुपये बताई गई है। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन, उत्तर प्रदेश के आदेश तथा जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीणा के निर्देशन में यह कार्रवाई की गई। सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय चंद्रशेखर मित्र के नेतृत्व में टीम ने परतापुर रोड, पिलखुवा देहात स्थित तिरुपति बंगाली स्वीट्स का निरीक्षण किया। छापेमारी के दौरान दुकान पर छेना मिठाई और गुलाब जामुन का निर्माण होते पाया गया। टीम ने जांच में पाया कि मिठाइयां अस्वच्छकर परिस्थितियों में तैयार की जा रही थीं। कार्रवाई के दौरान खाद्य विभाग की टीम ने छेना मिठाई, गुलाब जामुन, छेना और चीनी के एक-एक नमूने संग्रहित किए। सभी नमूनों को जांच के लिए क्षेत्रीय खाद्य प्रयोगशाला भेज दिया गया है। वहीं, अस्वच्छकर परिस्थितियों में भंडारित 650 किलोग्राम छेना मिठाई और गुलाब जामुन को मौके पर ही नष्ट करा दिया गया। विभाग ने खाद्य कारोबार का संचालन तत्काल बंद कराते हुए संबंधित खाद्य कारोबारकर्ता को सुधार नोटिस भी जारी किया है। अधिकारियों के अनुसार, प्रयोगशाला से जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मामले में आगे की विधिक कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा विभाग ने स्पष्ट किया कि त्योहारों के दौरान मिठाइयों की मांग बढ़ने के कारण मिलावट और स्वच्छता संबंधी लापरवाही की आशंका रहती है। ऐसे में जिलेभर में खाद्य प्रतिष्ठानों की नियमित जांच की जा रही है। अधिकारियों ने खाद्य कारोबारियों को साफ-सफाई के मानकों का पालन करने और उपभोक्ताओं को सुरक्षित खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

पदयात्रा में शामिल होने के लिए विधायक विजयपाल आढ़ती ने कार्यकर्ताओं की बस को दिखाई हरी झंडी



हापुड़। गाजियाबाद में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' अभियान के तहत प्रस्तावित विशाल पदयात्रा में शामिल होने के लिए हापुड़ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा कार्यकर्ताओं का जत्था रवाना हुआ। इस दौरान कार्यकर्ताओं में कार्यक्रम को लेकर उत्साह देखने को मिला। हापुड़ विधानसभा क्षेत्र के विधायक विजयपाल आढ़ती ने कार्यकर्ताओं से भरी बस को हरी झंडी दिखाकर गाजियाबाद के लिए रवाना किया। बस को रवाना करने के अवसर पर विधायक विजयपाल आढ़ती ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में आयोजित यह पदयात्रा लोकतंत्र की मजबूती और देश की एकता के प्रति जागरूकता का संदेश देने के उद्देश्य से आयोजित की जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्ष द्वारा देश में अराजकता फैलाने के कथित प्रयासों और देशविरोधी ताकतों को समर्थन देने के विरोध में इस अभियान के माध्यम से अपनी आवाज उठाई जा रही है। विधायक ने कहा कि लोकतंत्र की रक्षा करना प्रत्येक नागरिक की जिम्मेदारी है। देश की एकता, अखंडता और संवैधानिक संस्थाओं के सम्मान को बनाए रखने के लिए सभी को जागरूक रहने की आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे पदयात्रा में सक्रिय भागीदारी करें और अभियान के उद्देश्यों को जन-जन तक पहुंचाएं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक और सामाजिक जीवन में लोकतांत्रिक मूल्यों का सम्मान बेहद जरूरी है। जनता की भागीदारी से ही लोकतांत्रिक व्यवस्था मजबूत होती है। ऐसे आयोजनों के माध्यम से कार्यकर्ताओं को अपनी बात रखने और संगठनात्मक गतिविधियों में सहभागिता का अवसर मिलता है। इस अवसर पर भाजपा के स्थानीय पदाधिकारी, पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। विधायक द्वारा बस को रवाना किए जाने के बाद कार्यकर्ता गाजियाबाद में आयोजित पदयात्रा में शामिल होने के लिए रवाना हो गए।

कार्तिक पूर्णिमा मेले के आयोजन को लेकर गढ़ गंगा घाट पर भूमि पूजन और गंगा आरती, अधिकारि यों ने तैयारियों की समीक्षा की



हापुड़। गढ़मुक्तेश्वर में आयोजित होने वाले ऐतिहासिक कार्तिक पूर्णिमा गढ़ गंगा मेले 2026 को सकुशल, शांतिपूर्ण और व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में 4 नवंबर को गढ़मुक्तेश्वर गंगा घाट पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा नागर, विधायक हरेंद्र तेवतिया, जिलाधिकारी श्रीमती कविता मीना और मुख्य विकास अधिकारी सुश्री श्रुति शर्मा सहित अन्य अधिकारियों ने मेला स्थल पर पहुंचकर विधि-विधान से भूमि पूजन किया तथा मां गंगा की आरती की। इसके बाद मंडलायुक्त मेरठ भानु चंद्र गोस्वामी, डीआईजी मेरठ जोन कलानिधि नैथानी, जिलाधिकारी और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में मेले की तैयारियों को लेकर अधिकारियों के साथ बैठक की गई। उन्होंने स्वच्छता व्यवस्था पर विशेष जोर देते हुए जिला पंचायत राज अधिकारी, नगर पालिका परिषद के अधिशासी अधिकारी और संबंधित ठेकेदारों को साफ-सफाई में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने के निर्देश दिए। यातायात निरीक्षक को सभी मेला मार्गों का पहले से निरीक्षण करने तथा आपात स्थिति से निपटने की तैयारी रखने को कहा गया। साथ ही पुलिस अधिकारियों और मजिस्ट्रेट को आपसी समन्वय से भैंसा दौड़ पर प्रभावी प्रतिबंध सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। अपर पुलिस अधीक्षक ने पुलिस क्षेत्राधिकारियों को मेला स्थल का पूर्व निरीक्षण कर समस्याओं का समय रहते समाधान कराने को कहा। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए घाटों पर बैरिकेडिंग, ऊंचे वॉच टावर और बेहतर प्रकाश व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश भी दिए गए।

बैठक के अंत में जिलाधिकारी ने कहा कि कार्तिक पूर्णिमा मेला पौराणिक और धार्मिक महत्व का आयोजन है। सभी अधिकारी धैर्य, समन्वय और श्रद्धाभाव के साथ अपनी जिम्मेदारियां निभाएं। भूमि पूजन के दौरान उप जिलाधिकारी गढ़मुक्तेश्वर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी, अपर मुख्य अधिकारी जिला पंचायत शिशुपाल सिंह सहित संबंधित अधिकारी, कर्मचारी और भाजपा के वरिष्ठ नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गढ़मुक्तेश्वर में प्रथम स्वदेशी अश्व हॉर्स शो के मोनोग्राम का विधायक हरेंद्र तेवतिया ने किया अनावरण



हापुड़। जनपद हापुड़ की तहसील गढ़मुक्तेश्वर में पहली बार आयोजित होने जा रहे स्वदेशी अश्व हॉर्स शो को लेकर तैयारियां तेज हो गई हैं। बुधवार, 4 नवंबर 2026 को कार्यक्रम के मोनोग्राम का अनावरण गढ़मुक्तेश्वर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने किया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों, भाजपा पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों की उपस्थिति रही। मोनोग्राम अनावरण कार्यक्रम में ब्लॉक प्रमुख गढ़मुक्तेश्वर के प्रतिनिधि जगदीश, बहादुरगढ़ मंडल अध्यक्ष तरुण चौहान, जिला मंत्री राहुल वशिष्ठ, करण शर्मा, गुंजन शर्मा और टीकम राणा सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे। वहीं पशु चिकित्सा विभाग की ओर से उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी सदर हापुड़ डॉ. ओमवीर सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्साधिकारी गढ़मुक्तेश्वर डॉ. नवनीत कुमार, पशु चिकित्साधिकारी भैना डॉ. मदनपाल सिंह, पशु चिकित्साधिकारी बहादुरगढ़ डॉ. आनंद कुमार गिल तथा पशु चिकित्साधिकारी झड़ीना डॉ. विशाल चौधरी ने कार्यक्रम में सहभागिता की। इस अवसर पर विधायक हरेंद्र सिंह तेवतिया ने प्रथम बार आयोजित होने जा रहे स्वदेशी अश्व हॉर्स शो को एक नई और सराहनीय पहल बताया। उन्होंने कहा कि इस आयोजन से अश्व पालकों को अपनी प्रतिभा और अपने घोड़ों की विशेषताओं को प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। साथ ही इससे स्वदेशी अश्व नस्लों के संरक्षण और संवर्धन को भी प्रोत्साहन मिलेगा। विधायक ने कहा कि भारतीय स्वदेशी अश्व नस्लें हमारी परंपरा और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ऐसे आयोजनों से अश्व पालन के प्रति लोगों की रुचि बढ़ेगी और पशुपालकों को आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। उन्होंने क्षेत्र के सभी अश्व पालकों से अपील की कि वे हॉर्स शो में अधिक से अधिक संख्या में प्रतिभाग करें और आयोजन को सफल बनाएं। उन्होंने प्रतिभागियों को आकर्षक पुरस्कार प्राप्त करने का अवसर भी बताया। मुख्य पशु चिकित्साधिकारी डॉ. ओपी मिश्रा की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से कार्यक्रम की जानकारी दी गई।

दीपावली पर उज्ज्वला लाभार्थियों को मुफ्त गैस सिलेंडर रिफिल का उपहार, हापुड़ के 71,530 परिवारों को मिलेगा लाभ



हापुड़। दीपावली के पावन अवसर पर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के लाभार्थियों को निःशुल्क रसोई गैस सिलेंडर रिफिल की सौगात दी है। इस योजना के तहत जनपद हापुड़ के 71,530 पात्र परिवारों को लाभ मिलेगा। इससे गरीब और जरूरतमंद परिवारों को त्योहार के अवसर पर आर्थिक राहत मिलने के साथ ही रसोई में स्वच्छ ईंधन का उपयोग करने का अवसर मिलेगा। मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ स्थित लोक भवन से डिजिटल माध्यम से योजना का शुभारंभ किया। इस अवसर पर प्रदेश के 1.89 करोड़ से अधिक पात्र उज्ज्वला परिवारों को गैस सिलेंडर रिफिल की सब्सिडी उपलब्ध कराने के लिए 1,500 करोड़ रुपये की धनराशि हस्तांतरित की गई। यह धनराशि पात्र लाभार्थियों के बैंक खातों में भेजी जाएगी, जिससे उन्हें निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल की सुविधा मिल सकेगी। इसी क्रम में जनपद हापुड़ में भी योजना के तहत कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें हापुड़ विधायक विजयपाल आढ़ती, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती रेखा नागर, सांसद प्रतिनिधि अशोक बबली और विनोद गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में जिलाधिकारी तथा जिला पूर्ति अधिकारी भी मौजूद रहे। इस दौरान जनप्रतिनिधियों ने उज्ज्वला योजना की लाभार्थी महिलाओं को निःशुल्क गैस सिलेंडर रिफिल का लाभ प्रदान किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना महिलाओं को रसोई के धुएं से मुक्ति दिलाने और स्वच्छ ईंधन को बढ़ावा देने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है।

इससे महिलाओं के स्वास्थ्य और सुरक्षा को बेहतर बनाने में मदद मिल रही है। जनप्रतिनिधियों ने कहा कि दीपावली जैसे पर्व पर मुफ्त गैस रिफिल की सुविधा गरीब परिवारों के लिए विशेष राहत लेकर आई है। इससे त्योहार की खुशियां बढ़ेंगी और घरेलू खर्च का बोझ भी कम होगा। जिला प्रशासन और जिला पूर्ति विभाग द्वारा जनपद के सभी 71,530 पात्र लाभार्थी परिवारों तक योजना का लाभ पारदर्शी एवं सुचारु तरीके से पहुंचाने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की जा रही हैं।

चितौली में मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के तहत दो दिवसीय प्रशिक्षण शुरू



हापुड़। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वरोजगार को बढ़ावा देने और लोगों को खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से ग्राम सभा चितौली में मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को कार्यक्रम का शुभारंभ ग्राम प्रधान पिंकी बाना ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रशिक्षण में शामिल लाभार्थियों को लेखन सामग्री भी वितरित की। प्रशिक्षण कार्यक्रम में सेवानिवृत्त प्रधानाचार्य रमेश चंद्र, प्रवेंदर कुमार, सेवानिवृत्त प्रभारी रूपकिशोर शर्मा तथा हापुड़ प्रभारी विजेंद्र सिंह सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान हापुड़ प्रभारी विजेंद्र सिंह ने ग्रामीणों को मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के उद्देश्य, लाभ और आवेदन प्रक्रिया के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि इस योजना के माध्यम से ग्रामीण खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में अपनी इकाई स्थापित कर स्वरोजगार शुरू कर सकते हैं। इसके तहत खाद्य पदार्थों के प्रसंस्करण, उत्पादन और उनसे जुड़े छोटे उद्योगों को प्रोत्साहित किया जा रहा है। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पात्र लाभार्थी अपनी खाद्य प्रसंस्करण इकाई स्थापित कर सकते हैं। इसके लिए उन्हें एक लाख रुपये तक का अनुदान दिए जाने का प्रावधान है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को खाद्य प्रसंस्करण से जुड़ी विभिन्न गतिविधियों, छोटे उद्योगों की स्थापना और ग्रामीण क्षेत्रों में उपलब्ध स्वरोजगार की संभावनाओं के बारे में जानकारी दी गई।

साथ ही उन्हें बताया गया कि इस क्षेत्र में काम शुरू करके वे अपनी आमदनी बढ़ाने के साथ अन्य लोगों के लिए भी रोजगार के अवसर पैदा कर सकते हैं। कार्यक्रम में शामिल सभी प्रतिभागियों को आवश्यक प्रशिक्षण सामग्री वितरित की गई।

आयोजकों ने ग्रामीणों से योजना का अधिक से अधिक लाभ उठाने और स्वरोजगार के माध्यम से आत्मनिर्भर बनने का आह्वान किया।

दीपावली पर देशभर में पांच लाख करोड़ के कारोबार की उम्मीद, दिल्ली के बाजारों में 80 हजार करोड़ की खरीदारी का अनुमान

नई दिल्ली। दीपावली के त्योहार पर देशभर के बाजारों में रौनक बढ़ गई है। इस बार दीपावली पर खरीदारी और विभिन्न सेवाओं के माध्यम से देशभर में करीब पांच लाख करोड़ रुपये का कारोबार होने का अनुमान है। वहीं, पिछले एक महीने से रैलियों और धरना-प्रदर्शनों के कारण प्रभावित दिल्ली के व्यापारियों को भी त्योहार पर बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। दिल्ली में लगभग 80 हजार करोड़ रुपये के कारोबार का अनुमान लगाया गया है। व्यापार और उद्योग मंडल (सीटीआई) के अध्यक्ष बृजेश गोयल ने बताया कि होटल, बैंक्वेट, रेस्टोरेंट, मॉल, सिनेमा, शॉपिंग सेंटर, ऑटोमोबाइल, सैलून, पर्यटन, बाजार और औद्योगिक संगठनों से बातचीत के आधार पर यह अनुमान लगाया गया है। उन्होंने कहा कि इस वर्ष दीपावली पर बाजारों में भारतीय उत्पादों की खरीदारी को विशेष प्राथमिकता दी



जा रही है। जीएसटी सुधारों के बाद स्वदेशी उत्पादों को भी प्रोत्साहन मिला है। ऑटोमोबाइल क्षेत्र में भी इस बार अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। हालिया रिपोर्ट के अनुसार वाहनों की कुल खुदरा बिक्री में 55 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। दोपहिया वाहनों की बिक्री में 52 प्रतिशत, तिपहिया वाहनों में 110 प्रतिशत, वाणिज्यिक वाहनों में 48 प्रतिशत, निजी वाहनों में 70 प्रतिशत और ट्रैक्टरों में 58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। दीपावली पर उपहारों का आदान-प्रदान भी कारोबार को बढ़ावा दे रहा है। अनुमान है कि त्योहार के दौरान देशभर में छोटे से लेकर महंगे तक करीब पांच करोड़ उपहारों की खरीदारी और लेन-देन होगा।

इसके अलावा कपड़े, रेडीमेड वस्त्र, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, फर्नीचर, मिठाई, नमकीन, ड्राई फ्रूट्स, किराना, खाद्य तेल, बर्तन, सौंदर्य प्रसाधन, जूते और घरेलू उपयोग की वस्तुओं की भी खूब बिक्री हो रही है।

बृजेश गोयल के मुताबिक, दिल्ली में एक अक्टूबर से एक नवंबर तक रैलियों और प्रदर्शनों के चलते व्यापार को लगभग 14 हजार करोड़ रुपये का नुकसान हुआ था। अब व्यापारी दीपावली की खरीदारी से इसकी भरपाई की उम्मीद कर रहे हैं।

चांदनी चौक, सदर बाजार, कमला नगर, लाजपत नगर, राजौरी गार्डन, करोल बाग, लक्ष्मी नगर, शाहदरा और कनॉट प्लेस सहित कई बाजारों में ग्राहकों की भीड़ उमड़ रही है। वाहनों, मोबाइल, कपड़ों, गिफ्ट आइटम और सजावटी सामानों की बिक्री में भी तेजी आई है।

मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा, 64 मैचों में 229 विकेट लेकर खत्म किया शानदार सफर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर दिया है। शुक्रवार को उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' के माध्यम से अपने इस फैसले की जानकारी दी। शमी ने कहा कि भारत के लिए टेस्ट क्रिकेट खेलना उनके जीवन का सबसे बड़ा गर्व रहा है। सफेद जर्सी भले ही अब उनके शरीर पर नजर नहीं आएगी, लेकिन इससे जुड़ी यादें हमेशा उनके दिल में रहेंगी। 36 वर्षीय मोहम्मद शमी ने अपने भावुक संदेश में लिखा कि जब उन्होंने पहली बार भारत की टेस्ट जर्सी पहनी थी, तब उनका एक ही सपना था कि वह अपने देश के लिए कुछ खास कर सकें। इसके बाद उनके करियर में आए हर विकेट, संघर्ष, चोट और वापसी ने उन्हें बहुत कुछ सिखाया। उन्होंने कहा कि टेस्ट क्रिकेट उनके लिए केवल एक प्रारूप नहीं, बल्कि जिंदगी का बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। अनगिनत खूबसूरत यादों के साथ वह इस प्रारूप



को अलविदा कह रहे हैं। शमी ने अपने संदेश में साथी खिलाड़ियों, कोच, परिवार और करोड़ों भारतीय प्रशंसकों का आभार जताया। उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ बंगाल (कैब) को भी धन्यवाद दिया। शमी के मुताबिक, इन संस्थाओं ने उनकी प्रतिभा पर भरोसा किया और क्रिकेट के सफर में आगे बढ़ने के अवसर दिए। उन्होंने कहा कि मैदान पर भले ही उनकी आखिरी टेस्ट गेंद फेंकी जा चुकी हो, लेकिन भारत के लिए खेलने का गर्व हमेशा उनके दिल में जीवित रहेगा। मोहम्मद शमी लंबे समय से भारतीय टेस्ट टीम से बाहर चल रहे थे। उन्होंने आखिरी टेस्ट मुकाबला जून 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। वहीं, भारत के लिए उनका आखिरी अंतरराष्ट्रीय मुकाबला मार्च 2025 में रहा था। शमी ने नवंबर 2013 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।

अपने 12 साल से अधिक के टेस्ट करियर में उन्होंने 64 मुकाबले खेले और 27.71 की औसत से 229 विकेट हासिल किए।

इस दौरान उन्होंने छह बार एक पारी में पांच विकेट लेने का कारनामा किया। बल्लेबाजी में भी उन्होंने 750 रन बनाए,

जिसमें दो अर्धशतक शामिल हैं। इसके अलावा शमी ने भारत के लिए 108 वनडे मुकाबलों में 206 विकेट और 25 टी-20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 27 विकेट हासिल किए। उनका टेस्ट से संन्यास भारतीय क्रिकेट के एक महत्वपूर्ण अध्याय का अंत है।

धनतेरस पर पीएम मोदी ने देशवासियों से किया स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आह्वान, कहा- स्वास्थ्य ही सबसे बड़ा धन

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने धनतेरस के अवसर पर देशवासियों से बेहतर स्वास्थ्य का संकल्प लेने और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की अपील की है। उन्होंने कहा कि धनतेरस केवल भौतिक संपत्ति और समृद्धि में निवेश का पर्व नहीं है, बल्कि यह अपने और परिवार के अच्छे स्वास्थ्य के प्रति जिम्मेदारी निभाने का भी अवसर है। आयुर्वेद में बताए गए स्वास्थ्य संरक्षण और रोगों की रोकथाम के उपाय अपनाकर प्रत्येक परिवार स्वस्थ भविष्य की नींव रख सकता है। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा संदेश में कहा कि आयुर्वेद केवल बीमारियों के उपचार तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें स्वास्थ्य को बनाए रखने और रोगों से बचाव



पर भी विशेष जोर दिया गया है। उन्होंने कहा कि निवारक स्वास्थ्य देखभाल (प्रिवेंटिव हेल्थकेयर) व्यक्ति और परिवार के समग्र कल्याण के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री द्वारा साझा संदेश में स्वस्थ जीवनशैली को दैनिक दिनचर्या का हिस्सा बनाने की सलाह दी गई। इसमें संतुलित और पौष्टिक भोजन, नियमित योगाभ्यास, पर्याप्त नींद, आराम तथा समय-समय पर स्वास्थ्य जांच कराने जैसे उपाय शामिल हैं। उन्होंने कहा कि आज अपनाई गई अच्छी आदतें भविष्य में बेहतर स्वास्थ्य परिणाम देने के साथ परिवार को कई बीमारियों से बचाने में मददगार साबित हो सकती हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा, 'इस धनतेरस बेहतर स्वास्थ्य का संकल्प लें। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने बताया है कि आयुर्वेद स्वास्थ्य संरक्षण पर कितना जोर देता है और निवारक स्वास्थ्य देखभाल क्यों आवश्यक है।' उन्होंने लोगों से अपील की कि वे अपने प्रियजनों के स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें, क्योंकि परिवार के स्वास्थ्य में किया गया निवेश सबसे मूल्यवान निवेश है। वहीं, प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी धनतेरस के अवसर पर स्वास्थ्य और मानसिक सुख-समृद्धि के प्रति प्रतिबद्धता दोहराने का संदेश दिया। केंद्रीय राज्य मंत्री प्रतापराव जाधव ने भी लोगों से परिवार के स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की अपील की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के स्वस्थ भारत और विकसित भारत 2047 के संकल्प को साकार करने के लिए प्रत्येक परिवार का स्वस्थ होना जरूरी है। स्वस्थ परिवार ही समृद्ध समाज और विकसित राष्ट्र की मजबूत नींव होते हैं। उन्होंने कहा कि इस धनतेरस लोगों को भौतिक संपत्ति के साथ अपने स्वास्थ्य को भी सबसे बड़ी पूंजी मानकर उसके संरक्षण का संकल्प लेना चाहिए।

दिल्ली के आदर्श नगर में चार मंजिला गोदाम में लगी भीषण आग, 20 दमकल गाड़ियों ने संभाला मोर्चा, कोई हताहत नहीं

नई दिल्ली। दिल्ली के आदर्श नगर विधानसभा क्षेत्र के शांति मोहल्ला में शुक्रवार सुबह एक चार मंजिला गोदाम में भीषण आग लगने से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दमकल विभाग की टीमें मौके पर पहुंच गईं। काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। घटना में किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। आग बुझाने के लिए मौके पर करीब 20 दमकल गाड़ियां तैनात की गईं। शाहदरा जिले के डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने बताया कि शुक्रवार सुबह करीब 8:40 बजे गोदाम में आग लगने की सूचना मिली थी। इसके बाद स्थानीय थाना प्रभारी और एसीपी पुलिस टीम के साथ तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे। जांच में पता चला कि शांति मोहल्ला की गली नंबर पांच और छह के बीच करीब 250 मीटर क्षेत्र में फैले चार मंजिला गोदाम में आग लगी थी। गोदाम बंद होने के कारण अंदर से भारी मात्रा में धुआं निकल रहा



था। दमकल कर्मियों ने शटर काटकर अंदर प्रवेश करने का रास्ता बनाया और आग बुझाने का अभियान शुरू किया। धुएं की अधिकता के कारण शुरुआती दौर में राहत एवं बचाव कार्य में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। हालांकि, दमकल विभाग की तत्परता से आग पर काबू पा लिया गया। डीसीपी ने बताया कि गोदाम सुबह करीब 9:30 बजे खुलना था और घटना के समय बंद था, जिसके चलते कोई जनहानि नहीं हुई। पुलिस और यातायात कर्मियों ने रास्ता खाली कराकर दमकल वाहनों के आवागमन की व्यवस्था संभाली।

वहीं, दीपावली के मद्देनजर डीसीपी राजेंद्र प्रसाद मीणा ने लोगों से पटाखे चलाते समय सुप्रीम कोर्ट के दिशा-निर्देशों का पालन करने की अपील की। उन्होंने बताया कि 7 और 8 नवंबर को केवल प्रमाणित ग्रीन पटाखे निर्धारित समय पर चलाने की अनुमति है। इसके तहत सुबह 6 से 7 बजे और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे चलाए जा सकेंगे। उन्होंने कहा कि पटाखों के पैकेट पर मौजूद क्यूआर कोड से उनकी प्रमाणिकता जांची जा सकती है। बेरियम युक्त पटाखों, पटाखों की लड़ियों और ऑनलाइन बिक्री पर प्रतिबंध है।

केवल लाइसेंस प्राप्त दुकानों से ही पटाखे खरीदने की अनुमति है। शाहदरा जिले में करीब 65 दुकानों को अस्थायी लाइसेंस दिए गए हैं।

इसके अलावा अस्पतालों, नर्सिंग होम, वृद्धाश्रम, शैक्षणिक संस्थानों और घोषित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे चलाने पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। डीसीपी ने नागरिकों से सुरक्षित और जिम्मेदारी के साथ दीपावली मनाने की अपील की।

डॉक्टर से केंद्रीय मंत्री तक का सफर, जितेंद्र सिंह ने चिकित्सा और राजनीति दोनों क्षेत्रों में बनाई खास पहचान

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर के दूरदराज गांव से निकलकर राष्ट्रीय राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाने वाले केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह का सफर प्रेरणादायक रहा है। चिकित्सा क्षेत्र में विशेषज्ञता हासिल करने के बाद उन्होंने राजनीति में कदम रखा और वर्ष 2014 से लगातार केंद्र सरकार में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां निभा रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के पहले मंत्रिमंडल से लेकर वर्तमान कार्यकाल तक उनकी मौजूदगी उनकी राजनीतिक और प्रशासनिक भूमिका को दर्शाती है। 6 नवंबर 1956 को जन्मे डॉ. जितेंद्र सिंह ने 26 मई 2014 को पहली बार केंद्रीय राज्यमंत्री के रूप में शपथ



ली थी। प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें मंत्रिमंडल में महत्वपूर्ण जिम्मेदारी देने के साथ जम्मू-कश्मीर के विकास से जुड़े मामलों में भी प्रमुख भूमिका सौंपी। वह वर्ष 2014 से जम्मू-कश्मीर की उधमपुर लोकसभा सीट का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनके राजनीतिक जीवन का एक महत्वपूर्ण अध्याय 2014 का लोकसभा चुनाव रहा। इस चुनाव में उन्होंने कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और तत्कालीन केंद्रीय मंत्री गुलाम नबी आजाद को 60 हजार से अधिक मतों के अंतर से हराया था। दिलचस्प बात यह है कि राजनीति में आने से पहले गुलाम नबी आजाद ने चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान के लिए उन्हें सम्मानित भी किया था। वर्तमान में डॉ. जितेंद्र सिंह विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय तथा पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय में राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं। वह मधुमेह और एंडोक्रिनोलॉजी के विशेषज्ञ तथा प्रोफेसर रहे हैं। डॉ. जितेंद्र सिंह ने मधुमेह के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कई पुस्तकें भी लिखीं। उनकी चर्चित पुस्तक 'डायबिटीज मेड ईजी' को काफी लोकप्रियता मिली।

चिकित्सा क्षेत्र में योगदान के लिए उन्हें कई सम्मान मिले, जिनमें जेआईपीएमईआर का स्वर्ण पदक भी शामिल है। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के छोटे से गांव कलोटा से निकलकर केंद्रीय मंत्रिमंडल तक पहुंचने वाले डॉ. जितेंद्र सिंह ने चिकित्सा और राजनीति दोनों क्षेत्रों में अपनी अलग पहचान स्थापित की है।

किरेन रिजिजू ने जेद्दा की ऐतिहासिक फ्लोटिंग मस्जिद का किया दौरा, हज-2027 की तैयारियों की भी करेंगे समीक्षा

रियाद। केंद्रीय संसदीय एवं अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू इन दिनों सऊदी अरब के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने जेद्दा स्थित प्रसिद्ध ऐतिहासिक अल-रहमा मस्जिद का दौरा किया। इसे 'फ्लोटिंग मस्जिद' यानी तैरती हुई मस्जिद के नाम से भी जाना जाता है। लाल सागर के किनारे स्थित यह मस्जिद अपनी खूबसूरत वास्तुकला और आध्यात्मिक महत्व के लिए प्रसिद्ध है। शनिवार को अपने दौरे की तस्वीरें और जानकारी सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर साझा करते हुए रिजिजू ने कहा



कि ऐतिहासिक अल-रहमा मस्जिद आध्यात्मिक महत्व और वास्तुकला की सुंदरता का अद्भुत संगम है। यह सऊदी अरब की समृद्ध इस्लामी विरासत को प्रदर्शित करती है। उन्होंने इस ऐतिहासिक स्थल के दर्शन को अपने दौरे का खास अनुभव बताया। दरअसल, केंद्रीय मंत्री शुक्रवार को 'छठे हज सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2027' में हिस्सा लेने के लिए जेद्दा पहुंचे थे। इस यात्रा का प्रमुख उद्देश्य सऊदी अरब के साथ द्विपक्षीय हज समझौते पर हस्ताक्षर करना और वर्ष 2027 में भारतीय हज यात्रियों के लिए बेहतर व्यवस्थाएं सुनिश्चित करना है। जेद्दा हवाई अड्डे पर भारत के महावाणिज्य दूत फहद सूरी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान हज-2027 की तैयारियों पर विस्तार से चर्चा हुई थी। बैठक में भारतीय हज मिशन और सऊदी मंत्रालय के बीच बेहतर तालमेल बनाने पर भी जोर दिया गया। राजदूत ने जेद्दा हवाई अड्डे के हज टर्मिनल और हरमैन हाई-स्पीड रेलवे ये सुविधाएं भारत से हज कमेटी के माध्यम से जाने वाले एक लाख से अधिक तीर्थयात्रियों के लिए महत्वपूर्ण हैं।

निरीक्षण के दौरान सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और परिचालन व्यवस्थाओं की समीक्षा की गई, ताकि आगामी हज यात्रा के दौरान भारतीय यात्रियों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन करेंगे अयोध्या दीपोत्सव का शुभारंभ, सीएम योगी भी होंगे शामिल

अयोध्या । रामनगरी अयोध्या एक बार फिर भव्य दीपोत्सव के लिए तैयार है। दसवें दीपोत्सव-2026 का शुभारंभ संत-धर्माचार्यों की उपस्थिति में उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन करेंगे। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहेंगे। दीपोत्सव के दौरान सरयू नदी के 56 घाट असंख्य दीपों से जगमग होंगे, वहीं श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को रंग-बिरंगी रोशनी से भव्य रूप में सजाया गया है। दीपोत्सव में प्रभु श्रीराम, माता सीता और लक्ष्मण के अयोध्या आगमन को प्रतीकात्मक रूप में दर्शाती भव्य शोभायात्रा में देश के 13 राज्यों की सहभागिता होगी। रामायण के विभिन्न प्रसंगों पर आधारित आकर्षक झांकियां भी लोगों के आकर्षण का केंद्र बनी रहेंगी। धर्मपथ समेत अन्य प्रमुख मार्गों को थीमैटिक इंटेलिजेंट लाइटिंग और एलईडी पैनलों से सजाया जाएगा। राम की पैड़ी पर सजीव सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग और भव्य लेजर शो का आयोजन होगा। इसके अलावा, रामायण के प्रसंगों



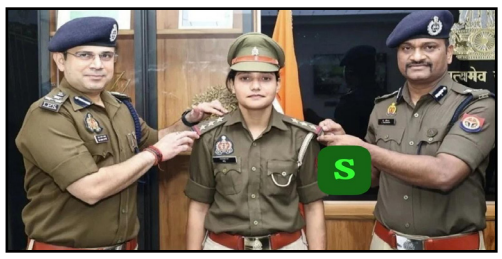
पर आधारित ड्रोन शो और नया घाट पर म्यूजिकल आतिशबाजी दीपोत्सव की भव्यता बढ़ाएंगे। अंतरराष्ट्रीय और भारतीय रामलीला दल प्रभु श्रीराम की लीलाओं का मंचन करेंगे। वहीं, देश-प्रदेश के करीब 2,000 कलाकार सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर रामनगरी को भक्तिमय बनाएंगे। धर्मपथ समेत अन्य प्रमुख मार्गों को थीमैटिक इंटेलिजेंट लाइटिंग और एलईडी पैनलों से सजाया जाएगा। राम की पैड़ी पर सजीव सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ 3-डी प्रोजेक्शन मैपिंग और भव्य लेजर शो का आयोजन होगा।

इस भव्य आयोजन में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, मंत्री सूर्य प्रताप शाही, मंत्री जयवीर सिंह, राज्य मंत्री सतीश चंद्र शर्मा, अयोध्या के महापौर गिरीश पति त्रिपाठी, जिला पंचायत प्रशासक रोली सिंह, विधान परिषद सदस्य हरि ओम पांडेय समेत विधायक वेद प्रकाश गुप्ता, रामचंद्र यादव, चंद्रभानु पासवान, डॉ. अमित सिंह चौहान और अभय सिंह भी मौजूद रहेंगे। बता दें कि शनिवार को होने वाला 'अयोध्या दीपोत्सव 2026' रोशनी के इस भव्य उत्सव की 10वीं वर्षगांठ होगी।

रविवार को दीपावली है, उससे ठीक पहले यह आयोजन हो रहा है। आयोजकों का लक्ष्य 56 घाटों पर 30 से 33 लाख मिट्टी के दीये जलाने का है। इनमें मुख्य केंद्र राम की पैड़ी और सरयू नदी के किनारे शामिल हैं।

अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनु सैन बनीं यूपी पुलिस में इंस्पेक्टर, गाजियाबाद पुलिस कमिश्नर ने कंधों पर लगाए तीन स्टार

मुजफ्फरनगर। जिले के काकड़ा गांव की बेटी और अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी अनु सैन ने अपनी मेहनत, प्रतिभा और लगन के दम पर एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की हैं। अनु सैन को उत्तर प्रदेश पुलिस में इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नति मिली है। उनकी इस उपलब्धि से परिवार, गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर है। खेल के मैदान में देश का नाम रोशन करने वाली अनु अब पुलिस विभाग में इंस्पेक्टर के रूप में अपनी जिम्मेदारियां निभाएंगी। गाजियाबाद के पुलिस कमिश्नर जे. रविंद्र गौड़ ने विशेष कार्यक्रम के दौरान अनु सैन के कंधों पर तीन स्टार लगाकर उन्हें इंस्पेक्टर पद पर पदोन्नत किया। इस अवसर पर पुलिस अधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। पदोन्नति मिलने के



बाद अनु सैन के परिवार और शुभचिंतकों में उत्साह का माहौल है। अनु सैन मुजफ्फरनगर के काकड़ा गांव की रहने वाली हैं। उन्होंने कबड्डी के क्षेत्र में अपनी मेहनत और शानदार प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बनाई है। ग्रामीण परिवेश से निकलकर अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं तक पहुंचने का उनका सफर क्षेत्र की अन्य बेटियों के लिए भी प्रेरणास्रोत है। उन्होंने साबित किया है कि दृढ़ इच्छाशक्ति और लगातार मेहनत के बल पर किसी भी लक्ष्य को हासिल किया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय कबड्डी खिलाड़ी के रूप में अनु सैन ने खेल के माध्यम से देश का प्रतिनिधित्व किया। खेलों में उनके योगदान और पुलिस विभाग में सेवाओं के बीच यह पदोन्नति उनके करियर की महत्वपूर्ण उपलब्धि मानी जा रही है। उनकी सफलता से काकड़ा गांव सहित मुजफ्फरनगर जिले में गर्व का माहौल है। स्थानीय लोगों का मानना है कि अनु की उपलब्धि से ग्रामीण क्षेत्र की दूसरी बेटियों को भी खेल और सरकारी सेवाओं में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी। अनु सैन की यह उपलब्धि महिला सशक्तीकरण की एक सकारात्मक तस्वीर पेश करती है। उन्होंने खेल के मैदान से लेकर पुलिस विभाग तक अपनी पहचान बनाई है। उनकी सफलता युवाओं, विशेषकर बेटियों को अपने सपनों को पूरा करने के लिए मेहनत और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का संदेश देती है।

योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित पदयात्रा को ऐतिहासिक बनाने की तैयारी, भाजपा ने बैठककर पदाधिकारियों को सौंपी जिम्मेदारियां

गाजियाबाद। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की आगामी 5 नवंबर 2026 को प्रस्तावित 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा को ऐतिहासिक और भव्य बनाने के लिए भारतीय जनता पार्टी ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी क्रम में सोमवार को गाजियाबाद में पार्टी की महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदयात्रा की सफलता, व्यवस्थाओं और अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में भाजपा के वरिष्ठ पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने कार्यक्रम को सुव्यवस्थित एवं प्रभावशाली बनाने के लिए विभिन्न बिंदुओं पर विचार-विमर्श किया। इस दौरान प्रस्तावित पदयात्रा स्थल का भी निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन, कार्यकर्ताओं के आने-जाने



की व्यवस्था, मंच निर्माण और अन्य जरूरी सुविधाओं का जायजा लिया गया। पार्टी पदाधिकारियों ने कार्यक्रम के दौरान किसी प्रकार की अव्यवस्था न होने देने पर विशेष जोर दिया। इसके लिए स्थानीय स्तर पर अलग-अलग जिम्मेदारियां निर्धारित करने और सभी विभागों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने की रणनीति बनाई गई। कार्यकर्ताओं को निर्देश दिए गए कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में सक्रिय रहकर पदयात्रा के संबंध में लोगों को जानकारी दें और अधिक से अधिक नागरिकों की सहभागिता सुनिश्चित करें। बैठक में इस बात पर भी मंथन किया गया कि पदयात्रा में संगठन की एकजुटता और कार्यकर्ताओं की सक्रियता स्पष्ट रूप से दिखाई दे। इसके लिए विभिन्न स्तरों पर तैयारियों को अंतिम रूप देने तथा कार्यक्रम से जुड़े प्रत्येक कार्य की नियमित निगरानी करने पर सहमति बनी। भाजपा नेताओं ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की प्रस्तावित पदयात्रा को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के लिए पार्टी पूरी ताकत से जुटी हुई है। कार्यकर्ताओं से आपसी समन्वय, अनुशासन और जिम्मेदारी के साथ काम करने का आह्वान किया गया। बैठक के माध्यम से भाजपा ने स्पष्ट किया कि पदयात्रा को भव्य और व्यवस्थित बनाने के लिए संगठन के सभी स्तरों पर तैयारियां की जा रही हैं। पार्टी का लक्ष्य कार्यक्रम में अधिक से अधिक लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना है, ताकि आयोजन को प्रभावशाली बनाया जा सके।

आईजीआरएस शिकायतों के निस्तारण में मेरठ रेंज प्रदेश में प्रथम, मेरठ समेत चारों जिलों ने भी हासिल किया पहला स्थान

मेरठ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की जनसुनवाई एवं शिकायत निवारण प्रणाली (आईजीआरएस) पर प्राप्त शिकायतों के गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण में मेरठ परिक्षेत्र ने पूरे प्रदेश में प्रथम स्थान हासिल किया है। खास बात यह है कि मेरठ रेंज के अंतर्गत आने वाले चारों जनपद मेरठ, बुलंदशहर, बागपत और हापुड़ ने भी प्रदेश स्तरीय रैंकिंग में पहला स्थान प्राप्त किया है। अक्टूबर 2026 की मासिक मूल्यांकन रिपोर्ट के आधार पर यह रैंकिंग जारी की गई है। पुलिस उपमहानिरीक्षक मेरठ परिक्षेत्र कलानिधि नैथानी ने इस उपलब्धि की जानकारी देते हुए बताया कि आईजीआरएस, जनसुनवाई और मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर अक्टूबर माह में प्राप्त शिकायतों का



शासन की मंशा के अनुरूप समयबद्ध और विधिक तरीके से निस्तारण कराया गया। इसके लिए रेंज के सभी जनपदों में शिकायतों की नियमित समीक्षा की गई और संबंधित अधिकारियों को गुणवत्तापूर्ण कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे। डीआईजी ने चारों जिलों के पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि शिकायतों का निस्तारण केवल औपचारिकता नहीं होना चाहिए, बल्कि शिकायतकर्ता को वास्तविक राहत मिलनी चाहिए। उन्होंने सभी जनपद प्रभारियों को निर्देश दिए कि शिकायतों की जांच के लिए संबंधित अधिकारी स्वयं मौके पर पहुंचें। केवल फोन पर या थाने में बैठकर जांच रिपोर्ट तैयार न की जाए। रिपोर्ट अपलोड करने से पहले थाना प्रभारी शिकायतकर्ता से फीडबैक भी प्राप्त करें। इसके साथ ही प्रत्येक 15 दिन में नोडल अधिकारी शिकायतों की समीक्षा करें और लंबित मामलों की साप्ताहिक बैठक आयोजित की जाए। डीआईजी ने महिला, वरिष्ठ नागरिक और साइबर अपराध से जुड़ी शिकायतों को प्राथमिकता के आधार पर निस्तारित करने के निर्देश दिए। जांच रिपोर्ट में घटनास्थल के अक्षांश और देशांतर (ख़्स्र-स्रह्वह्व) का उल्लेख करने तथा थानों में शिकायत और फीडबैक से संबंधित रजिस्टर अद्यतन रखने को भी कहा। उन्होंने पारदर्शिता, निष्पक्षता और तकनीकी संसाधनों के बेहतर इस्तेमाल पर जोर दिया। उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिसकर्मियों को सम्मानित करने के निर्देश भी दिए गए। डीआईजी ने कहा कि शिकायतों का समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण होने से आमजन का पुलिस पर विश्वास मजबूत होता है और लोगों को समय पर न्याय मिल पाता है। भविष्य में भी इस प्रदर्शन को बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी पूरी जिम्मेदारी से

दीपावली पर अग्नि सुरक्षा को लेकर डीआईजी कलानिधि नैथानी सख्त, सभी थानों और अग्निशमन विभाग को दिए अलर्ट रहने केनिर्देश

मेरठ। दीपावली के त्योहार पर आतिशबाजी और पटाखों के इस्तेमाल से आगजनी की घटनाओं की आशंका को देखते हुए मेरठ परिक्षेत्र के पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) कलानिधि नैथानी ने अग्नि सुरक्षा को लेकर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने अग्निशमन विभाग और परिक्षेत्र के सभी थानों को अलर्ट रहने तथा आग से बचाव के निर्धारित मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराने को कहा है। किसी भी आपात स्थिति में तत्काल 112 अथवा 101 हेल्पलाइन नंबर पर सूचना देने की अपील की गई है। डीआईजी ने कहा कि दीपावली के दौरान लोग बड़ी संख्या में आतिशबाजी करते हैं। ऐसे में थोड़ी सी लापरवाही भी गंभीर दुर्घटना का कारण बन सकती है। इसे देखते हुए अग्निशमन विभाग के सभी वाहन और उपकरण पूरी तरह क्रियाशील अवस्था में रखे



जाएं। आपातकालीन कॉल मिलते ही न्यूनतम समय में घटनास्थल पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया जाए। सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ सतर्कता बरतें। उन्होंने निर्देश दिए कि विस्फोटक नियमावली-2008 के नियम 83, 84, 85 और 86 के तहत आतिशबाजी की अस्थायी दुकानों, भंडारण, निर्माण और परिवहन से संबंधित प्रावधानों का पालन कराया जाए। त्योहार के व्यस्त समय में शहर के महत्वपूर्ण स्थानों पर उपलब्धता के अनुसार दमकल गाड़ियों की तैनाती की जाए। आवश्यकता पड़ने पर स्थानीय निजी अग्निशमन सेवाओं की मदद लेने के लिए भी समन्वय स्थापित किया जाए।

डीआईजी ने अग्निशमन कर्मियों को ड्यूटी के दौरान गमबूट, डांगरी और सुरक्षा चश्मे जैसे उपकरण इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। दमकल वाहनों में ब्लैंकेट, जेल ब्लैंकेट और स्ट्रेचर भी उपलब्ध रखने को कहा गया है। इसके साथ ही पानी के उपलब्ध स्रोतों की सूची तैयार कर सभी जिला नियंत्रण कक्षों में चस्पा कराने के निर्देश दिए गए हैं। थाना स्तर पर पूर्व में आतिशबाजी की दुकानें लगाने वाले व्यापारियों के साथ बैठक कर उन्हें सुरक्षा मानकों की जानकारी देने को कहा गया है। आतिशबाजी दुकानों के लिए जारी प्रत्येक अनुमति की प्रति जिला प्रभारी को उपलब्ध कराना भी अनिवार्य होगा।

इसके अलावा अस्पतालों के बर्न वार्डों में उचित व्यवस्था रखने और अग्निशमन केंद्रों पर कर्मचारियों एवं उपकरणों को हर समय तैयार रखने के निर्देश दिए गए हैं। डीआईजी ने स्पष्ट किया कि त्योहार के दौरान नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

हाईटेक इंटरसेप्टर वाहन से तेज रफ्तार वाहनों पर शिकंजा, यातायात प्रभारी निधि चौधरी ने संभाली कमान

शामली। जिले में सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के लिए यातायात पुलिस ने अभियान तेज कर दिया है। हाईटेक इंटरसेप्टर वाहन की मदद से तेज रफ्तार वाहनों पर निगरानी रखी जा रही है। यातायात प्रभारी निधि चौधरी स्वयं हाईवे और प्रमुख मार्गों पर तैनात होकर ओवरस्पीड वाहनों के खिलाफ कार्रवाई कर रही हैं। आधुनिक तकनीक से लैस यह इंटरसेप्टर वाहन बिना वाहनों को रोके उनकी गति और नंबर प्लेट को ट्रैक कर ई-चालान जारी करने में सक्षम है। ऐसे में वाहन चालकों को अब पुलिस की गाड़ी देखकर बच निकलने की उम्मीद छोड़नी होगी। यातायात प्रभारी निधि चौधरी एक ओर हाईवे पर तेज गति से चलने वाले वाहनों के चालान काटकर नियमों का उल्लंघन करने वालों पर कार्रवाई कर रही



हैं, वहीं दूसरी ओर स्कूल-कॉलेज पहुंचकर विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी कर रही हैं। वह लोगों से यातायात नियमों का पालन करने और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करने की अपील कर रही हैं। निधि चौधरी ने वाहन चालकों को दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट और चारपहिया वाहन में सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाएं, यातायात संकेतों का पालन करें और सुरक्षित तरीके से ओवरटेकिंग करें। दोपहिया वाहन पर तीन सवारियां न बैठाएं तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन या ईयरफोन का इस्तेमाल बिल्कुल न करें। उन्होंने शराब या अन्य नशे की हालत में वाहन न चलाने, बिना नंबर प्लेट के वाहन नहीं चलाने और सड़क पर हमेशा अपनी बाईं दिशा में चलने की भी अपील की। यातायात प्रभारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं का सीधा प्रभाव पीड़ित परिवार पर पड़ता है, जबकि अप्रत्यक्ष रूप से समाज और देश को भी अपूरणीय क्षति होती है।

यातायात नियमों की अनदेखी के कारण रोजाना कई लोगों की जान चली जाती है। न्होंने कहा कि नियमों का कड़ाई से पालन करके हादसों की संख्या कम की जा सकती है। उन्होंने सभी नागरिकों से अपील की कि वे स्वयं यातायात नियमों का पालन करें तथा दूसरों को भी सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें।

दीपावली पर बागपत-मेरठ हाईवे को मिली सौगात, टटीरी रेलवे ओवरब्रिज का हुआ उद्घाटन

बागपत। दीपावली के पर्व पर बागपत-मेरठ हाईवे से जुड़े क्षेत्र के लोगों को बड़ी सौगात मिली। टटीरी रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र के गणमान्य लोगों की मौजूदगी रही। लंबे समय से रेलवे फाटक पर लगने वाले जाम और आवागमन की परेशानियों से जूझ रहे लोगों को अब राहत मिलने की उम्मीद है। ओवरब्रिज शुरू होने से हाईवे पर यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने में भी मदद मिलेगी। टटीरी रेलवे ओवरब्रिज का निर्माण क्षेत्र के लोगों की महत्वपूर्ण जरूरतों को ध्यान में रखते हुए किया गया है। रेलवे फाटक बंद होने के दौरान वाहनों की लंबी कतारें लग जाती थीं। इससे राहगीरों, दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों के साथ-साथ स्थानीय व्यापारियों



और नौकरीपेशा लोगों को भी परेशानी उठानी पड़ती थी। कई बार ट्रेन गुजरने के इंतजार में लोगों को काफी देर तक फाटक पर रुकना पड़ता था। अब ओवरब्रिज के चालू होने से रेलवे लाइन पार करने के लिए वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध होगा और लोगों का समय बचेगा। दीपावली के शुभ अवसर पर हुए उद्घाटन कार्यक्रम को क्षेत्र के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। कार्यक्रम में मौजूद जनप्रतिनिधियों ने ओवरब्रिज को आम जनता के लिए उपयोगी सुविधा बताते हुए कहा कि बेहतर सड़क और परिवहन सुविधाएं क्षेत्र की प्रगति में अहम भूमिका निभाती हैं। इससे न केवल आवागमन आसान होगा, बल्कि आसपास के गांवों और कस्बों के लोगों को भी लाभ मिलेगा। ओवरब्रिज के शुरू होने से बागपत-मेरठ हाईवे पर यातायात का दबाव कम करने में सहायता मिलने की उम्मीद है। खासकर त्योहारों और व्यस्त समय में रेलवे फाटक के आसपास लगने वाले जाम से लोगों को राहत मिल सकेगी।

स्थानीय नागरिकों ने भी इस सुविधा को क्षेत्र के लिए दीपावली का विशेष उपहार बताया। टटीरी रेलवे ओवरब्रिज का उद्घाटन क्षेत्र में आधारभूत ढांचे के विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। हालांकि, निर्माण लागत, उद्घाटन करने वाले अतिथि और कार्यक्रम में शामिल जनप्रतिनिधियों के नामों की जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई है।

सफदरजंग अस्पताल में सतर्कता जागरूकता सप्ताह का समापन, पारदर्शिता और जवाबदेही को संस्थागत व्यवस्था का हिस्सा बनाने पर जोर

नई दिल्ली। वर्धमान महावीर मेडिकल कॉलेज (वीएमएमसी) एवं सफदरजंग अस्पताल में आयोजित सतर्कता जागरूकता सप्ताह-2026 का समापन समारोह उत्साह और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। कार्यक्रम में केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के निदेशक पीके मोहंती मुख्य अतिथि तथा आयोग के उप सचिव शैंकी रस्तोगी विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। 26 अक्टूबर से एक नवंबर तक आयोजित इस सप्ताह की थीम 'सत्यनिष्ठा से समृद्धि' रही। पूरे आयोजन के दौरान ईमानदारी, पारदर्शिता, जवाबदेही और भ्रष्टाचार की रोकथाम को लेकर अधिकारियों, कर्मचारियों, विद्यार्थियों और आम नागरिकों को जागरूक किया गया। सप्ताह की शुरुआत अधिकारियों और कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाने के साथ हुई। इस अवसर पर सभी ने अपने कार्यों में ईमानदारी, निष्पक्षता और नैतिक मूल्यों को प्राथमिकता देने का संकल्प लिया। अस्पताल के ओपीडी भवन में नर्सिंग कॉलेज के विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया। इसके माध्यम से मरीजों और उनके परिजनों को भ्रष्टाचार के दुष्प्रभावों तथा सार्वजनिक



सेवाओं में नैतिक आचरण के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। इसके अलावा कर्मचारियों और विद्यार्थियों के बीच नारा लेखन एवं प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। कार्यक्रम के तहत 27 अक्टूबर को जन शिकायत निवारण समिति की ओर से विशेष शिविर लगाया गया। इसमें अस्पताल पहुंचने वाले लोगों की समस्याओं और शिकायतों को सुना गया तथा उनके समाधान के लिए आवश्यक कार्रवाई की दिशा में पहल की गई। इस गतिविधि का उद्देश्य आम नागरिकों को शिकायत निवारण व्यवस्था के प्रति जागरूक करना और संस्थान की सेवाओं को अधिक पारदर्शी एवं जवाबदेह बनाना रहा। समापन समारोह को संबोधित करते हुए सीवीसी निदेशक पीके मोहंती ने कहा कि संस्थागत जवाबदेही, पारदर्शिता और सुशासन सुनिश्चित करने के लिए निवारक सतर्कता अत्यंत आवश्यक है। अस्पताल की निदेशक डॉ. कविता रानी शर्मा ने कहा कि सतर्कता जागरूकता केवल वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि रोजमर्रा के कार्यों में अपनाई जाने वाली जिम्मेदारी है। चिकित्सा अधीक्षक डॉ. चारु बंबा ने आयोजन में सहयोग देने वाले सभी विभागों और कर्मचारियों की सराहना की। कार्यक्रम का समन्वय सतर्कता अधिकारी डॉ. ऋचा कपूर ने किया। आयोजन के माध्यम से अस्पताल में स्वच्छ प्रशासनिक व्यवस्था, नैतिक कार्यसंस्कृति और जनविश्वास को मजबूत करने का संदेश दिया गया।

आगरा में 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन का आयोजन, सैकड़ों युवाओं ने उत्साह के साथ लिया हिस्सा

आगरा। युवाओं में एकता, सामाजिक समरसता, स्वास्थ्य और खेल भावना को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंटरनेशनल यूथ वेलफेयर फाउंडेशन की ओर से एकलव्य स्टेडियम में 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम में शहर के सैकड़ों युवाओं और खिलाड़ियों ने उत्साहपूर्वक प्रतिभाग कर एकता और सकारात्मक सोच का संदेश दिया। आयोजन के दौरान प्रतिभागियों में खासा उत्साह देखने को मिला। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के साथ सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित करना रहा। वॉकथॉन में शामिल युवाओं ने पूरे जोश के साथ हिस्सा लिया। प्रतिभागियों ने एकता, भाईचारे और सामाजिक सद्भाव का संदेश देते हुए कार्यक्रम को सफल बनाया। आयोजन के समापन पर प्रतिभागी खिलाड़ियों को मेडल और प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया।



सम्मान पाकर खिलाड़ियों के चेहरे पर खुशी दिखाई दी। आयोजकों ने कहा कि ऐसे कार्यक्रम युवाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ उन्हें अनुशासन, सहयोग और टीम भावना का महत्व भी समझाते हैं। इस अवसर पर फाउंडेशन के सचिव शुभम उपाध्याय सहित अर्पित कुमार, राहुल उपाध्याय, आलोक बंसल, दीपक रावत, सोमेश जादौन, राज त्यागी, विशाल गोस्वामी, दीपक बघेल तथा फाउंडेशन के अन्य सदस्य मौजूद रहे। सभी ने आयोजन में सहयोग किया और युवाओं को खेल तथा सामाजिक गतिविधियों से जुड़े रहने के लिए प्रोत्साहित किया। फाउंडेशन के कार्यकारी सदस्यों डॉ. सलोनी सिंह बघेल, प्रशांत सिंह, शुभम उपाध्याय, नसीम अहमद, डॉ. स्वेता भान, पल्लवी शुक्ला, राज त्यागी, सौरभ शर्मा और डॉ. सोनम दास ने संयुक्त रूप से कहा कि युवाओं को सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना तथा उन्हें सामाजिक कार्यों और खेलों के प्रति प्रोत्साहित करना संस्था की प्रमुख प्राथमिकताओं में शामिल है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और जागरूक युवा ही मजबूत समाज एवं राष्ट्र के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

उन्होंने बताया कि फाउंडेशन भविष्य में भी युवाओं के हित, स्वास्थ्य, एकता और सामाजिक जागरूकता से जुड़े ऐसे कार्यक्रम देश के विभिन्न शहरों में आयोजित करता रहेगा।

संस्था का उद्देश्य युवाओं को सकारात्मक मंच उपलब्ध कराना और राष्ट्र निर्माण में उनकी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करना है। 'रन फॉर यूनिटी' वॉकथॉन के माध्यम से युवाओं को एकता, स्वास्थ्य और सामाजिक जिम्मेदारी का संदेश दिया गया।

विद्या भारती ब्रज प्रदेश के नवीन कार्यालय का भूमि पूजन वैदिक मंत्रोच्चार के

साथ संपन्न समाज और राष्ट्र के निर्माण में शिक्षा की महत्वपूर्ण भूमिका : यतीन्द्र जी

मथुरा, विद्या भारती ब्रज प्रदेश, माधवकुञ्ज, मथुरा के नवीन कार्यालय के भूमि पूजन समारोह का आयोजन हर्षोल्लास एवं वैदिक परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुआ। कार्यक्रम में अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी, मुख्य अतिथि महामंडलेश्वर पूज्य मां साध्वी ध्यानमूर्ति जी, ब्रज प्रदेश संगठन मंत्री श्री हरीशंकर जी, राष्ट्रीय सेविका समिति की अखिल भारतीय बौद्धिक प्रमुख सुश्री शरणरेणु दीदी, पूर्व मंत्री भारतीय शिक्षा समिति श्री कृष्णदयाल अग्रवाल जी एवं कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. रोशन लाल जी ने वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन कर नवीन कार्यालय की नींव की ईंट रखी। कार्यक्रम का शुभारंभ मंचस्थ अतिथियों द्वारा ईश वंदना के साथ हुआ। इसके पश्चात विद्यालय के प्रधानाचार्य श्री विनय कुमार सिंह ने उपस्थित अतिथियों का परिचय कराया। विद्या भारती ब्रज प्रदेश के मंत्री प्रोफेसर डॉ. प्रभास्कर राय ने कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते हुए बताया कि वर्तमान में ब्रज प्रदेश में भारतीय शिक्षा समिति , शिशु शिक्षा समिति, जन शिक्षा समिति एवं भारतीय श्री विद्या परिषद सहित चार समितियां कार्यरत हैं, जिनके अलग-अलग कार्यालय हैं। प्रस्तावित नवीन कार्यालय में सभी समितियों के कार्यालय एक ही परिसर में संचालित होंगे। यह कार्यालय



आधुनिक सुविधाओं से परिपूर्ण होगा तथा संगठनात्मक गतिविधियों को गति प्रदान करेगा। इस अवसर पर विद्यालय के भैया माधव ने 'निर्माणों के पावन युग में' एकल गीत प्रस्तुत कर उपस्थित जनसमूह को मंत्रमुग्ध कर दिया। मुख्य वक्ता अखिल भारतीय सह संगठन मंत्री श्री यतीन्द्र जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज शिक्षा में परिवर्तन की चर्चा व्यापक स्तर पर हो रही है। विद्या भारती वर्ष 1952 से शिक्षा के क्षेत्र में कार्य कर रही है। शिक्षा में परिवर्तन से समाज में परिवर्तन और समाज में परिवर्तन से वैचारिक परिवर्तन का मार्ग प्रशस्त होता है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं के परिश्रम, समर्पण और साधना के बल पर विद्या भारती आज वनवासी, गिरवासी, ग्रामीण, शहरी एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में शिक्षा का कार्य कर रही है। हमारा उद्देश्य हिन्दुत्वनिष्ठ पीढ़ी का निर्माण करना है। उन्होंने कहा कि कुछ लोग शिक्षा के भारतीयकरण को हिन्दूकरण अथवा भगवाकरण कहकर आरोप लगाते हैं, जबकि हिन्दुत्व का विचार केवल किसी संगठन का विचार नहीं, बल्कि हमारे ऋषियों की जीवन दृष्टि है। विद्या भारती अगले वर्ष अपने 75 वर्ष पूर्ण करने जा रही है और वर्तमान में पुस्तक लेखन के क्षेत्र में भी महत्वपूर्ण कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि कार्य और कार्यकर्ताओं दोनों के लिए कार्यालय की आवश्यकता होती है। विद्या भारती ने सीमित साधनों में भी महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। संगठन महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी निरंतर प्रयासरत है। कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ. रोशन लाल जी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में सभी अतिथियों एवं कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि हम अपने कार्य की गति को और बढ़ाएं तो समाज की विद्या भारती से जो अपेक्षाएं हैं, वे निश्चित रूप से फलीभूत होंगी।

कार्यक्रम के अंत में भारतीय श्री विद्या परिषद की मंत्री श्रीमती नीरजा शर्मा ने सभी अतिथियों, कार्यकर्ताओं एवं उपस्थित जनसमूह का हार्दिक आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगीत वंदेमातरम् के सामूहिक गायन के साथ हुआ। कार्यक्रम का सफल संचालन श्री राजीव पाठक जी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री यशवीर सिंह जी, श्री हरवीर सिंह जी व श्री विनय कुमार सिंह जी ने किया।

इस अवसर पर मुख्य रूप से श्रीमती प्रेमापानू, श्री पद्मनाभ गोस्वामी जी, डॉ आर पी सिंह, विभाग कार्यवाह अरूण दीक्षित जी , श्री देवेंद्र यादव, डॉ. मालती मिश्रा, अध्यक्ष डॉ. गुलशन कुमार, प्रबंधक श्री कामता प्रसाद गुप्ता, प्रोफेसर सुनील कुमार राय, डॉ. रामसेवक, श्री राजीव पाठक, श्री विनय कुमार, श्री उमेश शर्मा, श्री केशव सिंह, श्री नरेंद्र कुमार सहित अनेक गणमान्यजन एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

निष्पक्ष चुनाव आयोग और राम मंदिर चंदे का हिसाब मांगने के

लिए निकली सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा: दिग्विजय सिंह

भोपाल । मध्य प्रदेश के कूनो नेशनल पार्क में 19 महीने के एक चीता शावक की संदिग्ध गोलीबारी की घटना में मौत हो गई। वन विभाग के सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि शावक के पेट में कई धातु के छर्रे (मेटल पेलेट्स) फंसे हुए पाए गए थे, जिसके बाद उसकी मौत हो गई। अधिकारियों को आशंका है कि यह मामला गोली मारने से जुड़ा हो सकता है। चीतों की सुरक्षा में लापरवाही का आरोप लगाते हुए वन्यजीव कार्यकर्ता अजय दुबे ने घटना की सीबीआई जांच की मांग की और कुनो के फील्ड डायरेक्टर उत्तम शर्मा, डीएफओ थिरु और एसडीओ अमृतांशु को हटाने की मांग करते हुए वन विभाग को पशु की सुरक्षा सुनिश्चित करने में विफल रहने के लिए जिम्मेदार ठहराया। दुबे ने कहा, 'मैंने वर्षों से ऐसे खतरों के बारे में चेतावनी दी थी, लेकिन मध्य प्रदेश सरकार ने अनदेखी की। कुनो फील्ड डायरेक्टर पर भरोसा नहीं किया जा



सकता।' उन्होंने संदिग्ध गोलीबारी और शावक की मौत की तत्काल सीबीआई जांच की मांग की।

मादा चीता निर्वा के बच्चों में से एक, नर शावक 25 अक्टूबर की शाम को श्योपुर से सटे मोरेना जिले के प्रादेशिक वन प्रभाग से गुजरते समय एक निगरानी दल को घायल अवस्था में मिला। उसे रातभर में बचाया गया और प्रारंभिक चिकित्सा जांच के लिए कुनो लाया गया, जिसके बाद उसे उन्नत उपचार के लिए जबलपुर के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया। शावक के पेट के अंदर तीन से चार धातु की गोलियां पाई गईं। सूत्रों के अनुसार, विशेष उपचार के लिए ले जाने के बावजूद जानवर की मौत हो गई।

इस घटना ने संरक्षित इलाकों से बाहर निकलने वाले इन बड़े जंगली जानवरों की सुरक्षा को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं और देश के 'चीता संरक्षण कार्यक्रम' के सामने एक बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। अधिकारियों ने बताया कि इस इलाके में वन्यजीव सुरक्षा के लिए बनी विशेष इकाई, स्पेशल टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) को तैनात किया गया है।

साथ ही वन विभाग इस घटना के लिए जिम्मेदार लोगों की पहचान करने के लिए राज्य पुलिस की 'स्पेशल टास्क फोर्स' (एसटीएफ) से भी मदद ले रहा है। जांचकर्ता इस बात का पता लगा रहे हैं कि क्या जानवर को पारंपरिक 'भरमार' (मजल-लोडिंग बंदूक) से गोली मारी गई थी या फिर किसी देसी 12-बोर बंदूक का इस्तेमाल किया गया था। फोरेंसिक और बैलिस्टिक जांच से इस्तेमाल किए गए हथियार के प्रकार का पता लगाने और जांच में मदद मिलने की उम्मीद है।

भोपाल में 15 हजार नगर निगम कर्मचारी हड़ताल पर, धनतेरस पर सड़कों और बाजारों में लगे कचरे के ढेर

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नगर निगम के करीब 15 हजार कर्मचारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल से सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। धनतेरस के दिन लगातार दूसरे दिन कचरा उठाने का काम ठप रहा। शहर के बाजारों, सड़कों और रिहायशी इलाकों में कचरे के ढेर लग गए हैं। दीपावली से पहले घरों की सफाई करने वाले लोग भी कचरा नहीं फेंक पा रहे हैं। कई इलाकों में लोग कचरा उठाने वाली गाड़ियों का करीब एक सप्ताह से इंतजार कर रहे हैं। भोपाल में रोजाना करीब 8 50 टन कचरा निकलता है, जबकि दीपावली के दौरान इसकी मात्रा बढ़कर लगभग 1000 टन हो जाती है। हड़ताल में सफाई के अलावा जल आपूर्ति, अग्निशमन, बिजली, उद्यान और अन्य विभागों के कर्मचारी भी शामिल हैं। नगर निगम के 18 हजार कर्मचारियों में से लगभग 15 हजार ने काम बंद कर दिया है। गुरुवार को प्रदर्शनकारियों ने नगर निगम मुख्यालय अटल भवन की बिजली काटकर मुख्य गेट पर ताला लगा दिया। जल विभाग के कर्मचारियों ने पानी की आपूर्ति रोकने की चेतावनी दी है।

शहर के 2.30 लाख से अधिक नल कनेक्शनों पर इसका असर पड़ने की आशंका है। कर्मचारी न्यूनतम 25 हजार रुपये मासिक मानदेय, वेतन संशोधन, नियमितीकरण, सरकारी कर्मचारी का दर्जा और संविदा व्यवस्था समाप्त करने सहित कई मांगें कर रहे हैं।

नगर आयुक्त राम प्रकाश अहिरवार के अनुसार, अधिकारियों और यूनियन प्रतिनिधियों के बीच बातचीत हुई, लेकिन कर्मचारी ठोस निर्णय के बिना आंदोलन वापस लेने को तैयार नहीं हैं। वे मुख्यमंत्री मोहन यादव से सीधे बातचीत की मांग कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री हरदीप पुरी मध्य प्रदेश से राज्यसभा के लिए निर्वाचित

भोपाल । मध्य प्रदेश में राज्यसभा के लिए हुए उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार और केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी निर्विरोध निर्वाचित हो गए हैं। निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने प्राप्त किया।

दरअसल, राज्य से तत्कालीन केंद्रीय मंत्री डॉ एल मुरूगन राज्यसभा सदस्य थे, लेकिन उन्होंने मंत्री पद और राज्यसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था।

उसी के चलते राज्यसभा के लिए उपचुनाव हुआ। इसके लिए भाजपा ने हरदीप सिंह पुरी को उम्मीदवार बनाया, जहां केंद्रीय मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने पार्टी की ओर से नामांकन भरा, वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने एक निर्दलीय उम्मीदवार का समर्थन



किया, मगर उस उम्मीदवार का नामांकन निरस्त हो गया। इस तरह चुनाव में सिर्फ एक ही उम्मीदवार रह गए और निर्वाचन कार्यालय ने केंद्रीय मंत्री को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल तमाम नेताओं के साथ गुरुवार को विधानसभा परिसर स्थित निर्वाचन कार्यालय पहुंचे और उन्होंने निर्वाचन अधिकारी से केंद्रीय मंत्री पुरी के निर्वाचित होने का प्रमाण पत्र हासिल किया। राज्य में राज्यसभा की कुल 11 सीटें हैं, इनमें से अब भाजपा का नौ पर कब्जा हो गया है। वहीं, कांग्रेस के पास दो सीटें हैं।

भाजपा द्वारा राज्यसभा के लिए केंद्रीय मंत्री पुरी के नाम का ऐलान किए जाने के बाद कांग्रेस हमलावर थी और उसने उन पर कई तरह के गंभीर आरोप भी लगाए थे।

इतना ही नहीं उनके नामांकन पत्र में जानकारी छुपाने का भी आरोप लगाया था। निर्वाचन कार्यालय ने कांग्रेस की सभी आपत्तियों को निरस्त कर दिया था।

भोपाल में भाजपा की पदयात्रा में बरसे जेपी नड्डा, कांग्रेस पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को बदनाम करने का लगाया आरोप

भोपाल। भाजपा की ओर से बुधवार को राजधानी भोपाल में 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा निकाली गई। इसमें केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा शामिल हुए। उन्होंने कांग्रेस पर चुनाव आयोग और लोकतांत्रिक संस्थाओं के प्रति जनता के विश्वास को कमजोर करने का आरोप लगाया। नड्डा ने कहा कि विपक्ष गैरजिम्मेदाराना व्यवहार कर देश में अस्थिरता पैदा करने का प्रयास कर रहा है। कांग्रेस चुनाव हारने पर चुनाव आयोग को निशाना बनाती है, जबकि जीत मिलने पर उसी व्यवस्था पर सवाल नहीं उठाती। उन्होंने कहा कि कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस की जीत पर आयोग सही और हारने पर बेईमान बताया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए आपातकाल का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में लाखों लोगों को जेल में

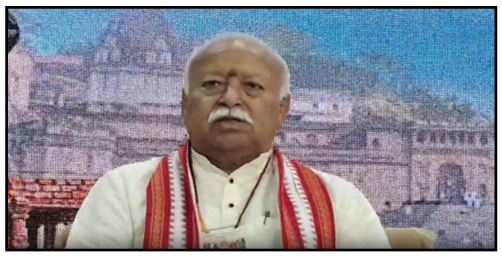


डाला गया था। वह स्वयं भी आपातकाल के दौरान गिरफ्तार हुए थे और उनके परिवार के सदस्यों को भी जेल जाना पड़ा था। ईवीएम और मतदाता सूची पर उठाए जा रहे सवालों के जवाब में नड्डा ने कहा कि चुनाव आयोग ने ईवीएम हैक करने की चुनौती दी थी, लेकिन कोई सामने नहीं आया।

नड्डा के मुताबिक, एसआईआर के तहत 10 लाख से अधिक बीएलओ ने घर-घर जाकर करीब 96 करोड़ लोगों को कवर किया। उन्होंने राहुल गांधी को सलाह दी कि ईवीएम और बैलेट पेपर पर सवाल उठाने के बजाय कांग्रेस को आत्मचिंतन करना चाहिए।

इंदौर में आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक शुरू, 400 प्रतिनिधि संघ के आगामी कार्यक्रमों पर करेंगे मंथन

इंदौर। मध्य प्रदेश के इंदौर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक सोमवार को शुरू हुई। बैठक का शुभारंभ संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत और सरकार्यवाह दत्तात्रेय होसबाले ने किया। इसमें देशभर से करीब 400 प्रतिनिधि शामिल हुए हैं। चार नवंबर की शाम तक चलने वाली इस बैठक में संगठन के कार्यों की समीक्षा, शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और भविष्य की कार्ययोजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। संघ के अखिल भारतीय सह प्रचार प्रमुख नरेंद्र कुमार ने पत्रकारों को बताया कि यह संघ की नियमित वार्षिक बैठक है। इसमें सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर प्रतिनिधियों का मार्गदर्शन करेंगे। बैठक में संघ के शताब्दी वर्ष के दौरान आयोजित कार्यक्रमों की समीक्षा की जाएगी। साथ ही इन गतिविधियों को आगे किस प्रकार प्रभावी ढंग से लागू किया जाए और समाज के अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाया जाए, इस पर विचार-विमर्श होगा। उन्होंने बताया कि बैठक में विशेष रूप से पंच परिवर्तन के विषयों, उनके क्रियान्वयन और समाज में उनके प्रभावी अनुवर्तन पर चर्चा की जाएगी। विजयादशमी के अवसर पर संघ प्रमुख द्वारा उठाए गए समसामयिक विषयों को भी बैठक में रखा जाएगा। इन विषयों को समाज तक पहुंचाने के लिए आगे की योजना तैयार की जाएगी। नरेंद्र कुमार के अनुसार, बैठक के दौरान



सरकार्यवाह की ओर से तीन महत्वपूर्ण वक्तव्य जारी किए जाएंगे। नरेंद्र कुमार ने कहा, 'इस बैठक में संघ शताब्दी वर्ष के निमित्त, वर्ष में आयोजित किए गए सभी कार्यों की समीक्षा, आगे के लिए क्रियान्वयन और समाज तक उन विषयों को कैसे लेकर जाना है। खासकर पंच परिवर्तन के विषय, क्रियान्वयन, अनुवर्तन कैसे किया जाए, इसकी चर्चा की जाएगी। विजयादशमी के अवसर पर संघ प्रमुख ने जिस समसामयिक विषयों पर बातें कहीं हैं, इस बैठक में उसकी भी चर्चा की जाएगी। समाज तक कैसे ले जाया जाए? इसकी योजना पर विस्तार से चर्चा की जाएगी। ' राष्ट्रीय चेतना के पितामह राजनारायण बोस की 200वीं जयंती, शुद्धिकरण आंदोलन के पुरोधा स्वामी श्रद्धानंद के बलिदान के 100वें वर्ष और स्वामी लक्ष्मणानंद के जन्म के 100वें वर्ष से संबंधित विषय शामिल होंगे। बैठक स्थल पर संघ की ओर से विशेष प्रदर्शनी भी लगाई गई है। संघ की इस अखिल भारतीय बैठक को संगठन की आगामी रणनीति और गतिविधियों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में शामिल पदाधिकारी विभिन्न विषयों पर मंथन करेंगे और संघ प्रमुख के मार्गदर्शन में आगे की कार्ययोजना को लेकर चर्चा करेंगे। विभिन्न विषयों को चित्रों एवं जानकारी के माध्यम से प्रदर्शित किया गया है। प्रदर्शनी में भोजशाला से संबंधित विषय को भी प्रमुखता दी गई है। संघ की यह बैठक संगठन के शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों और आगामी गतिविधियों की दृष्टि से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। इसमें देशभर से आए पदाधिकारी संगठनात्मक कार्यों की समीक्षा के साथ भविष्य की दिशा और रणनीति पर मंथन करेंगे।

धनतेरस पर डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने आठ नेत्रहीन दिव्यांगों को बांटी दीपावली की खुशियां, खाद्य सामग्री और मोमबत्तियां भेंट कीं



फतेहपुर। दीपावली के पर्व पर जरूरतमंदों के जीवन में खुशियां और मिठास बांटने के उद्देश्य से डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में धनतेरस के अवसर पर सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। छह नवंबर 2026 को सुबह 10 बजे रेडक्रॉस भवन में समाजसेवी एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने असनी स्थित श्री साई दिव्यांग संस्थान के आठ नेत्रहीन दिव्यांगों को दीपावली की खुशियां बांटीं। कार्यक्रम के दौरान सभी दिव्यांगजनों को लाई, गट्टा, पट्टी, मिठाई, दलिया और मोमबत्तियां प्रदान की गईं। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि त्योहार केवल अपने परिवार के साथ खुशियां मनाने का अवसर नहीं हैं, बल्कि समाज के जरूरतमंद और वंचित लोगों के चेहरों पर मुस्कान लाने का भी माध्यम हैं। इसी भावना के साथ दिव्यांगजनों को दीपावली से जुड़ी सामग्री भेंट कर उन्हें त्योहार की खुशियों में सहभागी बनाने का छोटा-सा प्रयास किया गया। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को जरूरतमंदों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। छोटी-छोटी मदद भी किसी के जीवन में खुशी और अपनापन ला सकती है। त्योहारों के अवसर पर विशेष रूप से दिव्यांग, गरीब और असहाय लोगों का ध्यान रखना सामाजिक जिम्मेदारी है। ऐसे सेवा कार्यों से समाज में सहयोग, संवेदना और मानवता की भावना मजबूत होती है। कार्यक्रम में मौजूद लोगों ने भी इस पहल की सराहना की और कहा कि दीपावली जैसे पर्व पर जरूरतमंदों के साथ खुशियां साझा करना ही त्योहार की वास्तविक भावना है। इस अवसर पर रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव अजीत सिंह, कार्यकारिणी सदस्य संजय कुमार श्रीवास्तव, उमेश श्रीवास्तव और अभिनव श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

सभी ने सेवा कार्य में सहयोग किया। कार्यक्रम के माध्यम से दिव्यांगजनों को सम्मान और अपनत्व का संदेश देते हुए दीपावली की खुशियों में शामिल करने का प्रयास किया गया।

कानपुर केआनंद सिंह बने सुभासपा युवा मंच के राष्ट्रीय महासचिव, 2027 के लक्ष्य के लिए संगठन मजबूत करने का लिया संकल्प



कानपुर/लखनऊ। सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी (सुभासपा) ने संगठन विस्तार के तहत कानपुर नगर के युवा नेता आनंद सिंह को युवा मंच का राष्ट्रीय महासचिव नियुक्त किया है। पार्टी के प्रदेश कार्यालय लखनऊ से जारी नवनियुक्त पदाधिकारियों की सूची में आनंद सिंह को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है। उनकी नियुक्ति से पार्टी के युवा संगठन को नई मजबूती मिलने की उम्मीद जताई जा रही है। नियुक्ति की खबर सामने आते ही लखनऊ, कानपुर नगर, बलिया, वाराणसी, गोंडा, बस्ती और लखीमपुर खीरी सहित प्रदेश के विभिन्न जिलों में पार्टी कार्यकर्ताओं में खुशी की लहर दौड़ गई। कार्यकर्ताओं ने एक-दूसरे को मिठाई खिलाकर आनंद सिंह को बधाई दी और उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। नियुक्ति पत्र जारी करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव डॉ. अरविन्द राजभर ने कहा कि आनंद सिंह लंबे समय से पार्टी के समर्पित और निष्ठावान कार्यकर्ता रहे हैं। उन्होंने जमीनी स्तर पर युवाओं को संगठन से जोड़ने का काम किया है। उनकी कार्यशैली, संगठन के प्रति समर्पण और युवाओं में मजबूत पकड़ को देखते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई है। उन्होंने विश्वास जताया कि आनंद सिंह के नेतृत्व में युवा मंच पूरे प्रदेश में और अधिक सशक्त होगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने भी सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि सुभासपा वंचितों, पिछड़ों और युवाओं की पार्टी है। आनंद सिंह जैसे ऊर्जावान कार्यकर्ता संगठन की ताकत हैं। पार्टी का उद्देश्य युवाओं को आगे बढ़ाना और महाराजा सुहेलदेव के विचारों को घर-घर तक पहुंचाना है। वहीं, आनंद सिंह ने शीर्ष नेतृत्व का आभार जताते हुए कहा कि वह युवा मंच को बूथ स्तर तक मजबूत करेंगे और वर्ष 2027 के लक्ष्य को हासिल करने के लिए पूरी निष्ठा से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि यह पद नहीं, बल्कि उनके लिए बड़ी जिम्मेदारी है।

आनंद सिंह के अलावा पंकज शर्मा को राष्ट्रीय सचिव, अमरेश पाठक को प्रदेश प्रवक्ता, डॉ. प्रीती उपाध्याय को प्रदेश संगठन प्रभारी महिला मंच और त्रिवेणी प्रसाद पाण्डेय को प्रदेश उपाध्यक्ष पूर्वांचल नियुक्त किया गया है। कुल नौ पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं।

दीपावली से पहले 19 जरूरतमंदों को बांटी खुशियां, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने वितरित की खाद्य सामग्री और मोमबत्तियां



फतेहपुर। 'घर-घर हो खुशहाली, हर कोई मनाए दिवाली' के संदेश के साथ डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में दीपमालिका उत्सव से पूर्व सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। बुधवार, 4 नवंबर 2026 को सुबह नौ बजे समाजसेवी, चेयरमैन फतेहपुर एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान राधानगर नई बस्ती के छह, गढ़ीवा के दस और रमवां के तीन सहित कुल 19 चिन्हित अतिजरूरतमंद दिव्यांगों, वृद्धजनों और महिलाओं को लाई, गट्टा, पट्टी, मिठाई तथा मोमबत्तियां वितरित की गईं। इस पहल का उद्देश्य जरूरतमंद परिवारों के त्योहार में थोड़ी मिठास और खुशियां जोड़ना रहा। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि सभी उत्सव एकता, प्रेम और खुशियों का संदेश देते हैं। त्योहारों की सार्थकता तभी है, जब समाज का हर वर्ग खुशी में शामिल हो सके। जरूरतमंदों की सहायता करना और उनके चेहरों पर मुस्कान लाना ही सेवा का वास्तविक उद्देश्य है। इस अवसर पर प्रमुख सहयोगी आचार्य रामनारायण, सुरेश कुमार श्रीवास्तव और अभिनव श्रीवास्तव, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के आजीवन सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक और नम्रता पाठक से मिला डॉ. अनुराग श्रीवास्तव को स्नेहाशीष



उत्तर प्रदेश। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के सभापति माननीय श्री बृजेश पाठक जी से आत्मीय मुलाकात कर उनका सानिध्य और स्नेहाशीष प्राप्त हुआ। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती नम्रता पाठक जी का भी स्नेह और आशीर्वाद मिला। मुलाकात के दौरान डॉ. अनुराग श्रीवास्तव के साथ उनकी धर्मपत्नी वर्षा श्रीवास्तव भी उपस्थित रहीं। इस आत्मीय भेंट को उन्होंने अपने लिए विशेष और सुखद अनुभव बताया। उन्होंने उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं श्रीमती नम्रता पाठक के प्रति सम्मान और आभार व्यक्त किया। इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश से जुड़े सामाजिक सेवा कार्यों के संदर्भ में भी यह मुलाकात महत्वपूर्ण रही। बृजेश पाठक प्रदेश में उपमुख्यमंत्री के साथ-साथ रेडक्रॉस सोसाइटी के सभापति की जिम्मेदारी भी निभा रहे हैं। उनके सानिध्य और मार्गदर्शन को समाजसेवा के क्षेत्र में प्रेरणादायी माना गया। इस अवसर पर पारिवारिक आत्मीयता और सम्मान का भाव देखने को मिला। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने इस मुलाकात को यादगार बताते हुए दोनों का आशीर्वाद प्राप्त करने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

फतेहपुर का 200वां स्थापना दिवस विकास का संकल्प दिवस बने : प्रवीण पाण्डेय



खागा/फतेहपुर। जनपद फतेहपुर के 200वें स्थापना दिवस को गौरव, संस्कृति, ऐतिहासिक धरोहर और जल संरक्षण के जनभागीदारी महोत्सव के रूप में मनाने की मांग उठाई गई है। इस संबंध में बुंदेलखंड राष्ट्र समिति के केंद्रीय अध्यक्ष प्रवीण पाण्डेय ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर विभिन्न प्रस्तावों पर आवश्यक कार्रवाई की मांग की। उन्होंने कहा कि 10 नवंबर 2026 को फतेहपुर का 200वां स्थापना दिवस केवल औपचारिक समारोह तक सीमित न रहे, बल्कि इसे जिले के समग्र विकास और विरासत संरक्षण के संकल्प दिवस के रूप में मनाया जाए। प्रवीण पाण्डेय ने सुझाव दिया कि स्थापना दिवस पर विद्यालयों, महाविद्यालयों, सामाजिक एवं व्यापारिक संगठनों, जनप्रतिनिधियों और आम नागरिकों की सहभागिता से जिला प्रशासन भव्य आयोजन कराए। इसके साथ ही जिले के ऐतिहासिक स्थलों, प्राचीन मंदिरों, शहीद स्मारकों, कुओं और सरोवरों की सूची तैयार कर उनके संरक्षण एवं पुनरुद्धार की कार्ययोजना बनाई जाए। उन्होंने जिले के तालाबों, कुओं, झीलों और नदियों का राजस्व अभिलेखों के आधार पर सत्यापन कराने, जलस्रोतों से अतिक्रमण हटाने तथा उनकी सफाई और पुनर्जीवन के लिए विशेष अभियान चलाने की मांग की। स्थापना दिवस पर 'एक दीपक जलस्रोतों एवं धरोहरों के नाम' अभियान शुरू करने का प्रस्ताव भी रखा, ताकि नागरिक अपनी ऐतिहासिक और प्राकृतिक विरासत के संरक्षण से जुड़ सकें। ज्ञापन में विद्यालयों और महाविद्यालयों में निबंध, चित्रकला, भाषण, लोकगीत तथा सांस्कृतिक प्रतियोगिताएं आयोजित कराने की मांग की गई। साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि, पर्यटन, पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में जिले के विकास के लिए दीर्घकालीन कार्ययोजना बनाने का सुझाव दिया गया। इन कार्यों के संचालन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों, शिक्षाविदों, इतिहासकारों, पत्रकारों, पर्यावरण कार्यकर्ताओं और सामाजिक संगठनों को शामिल कर जिला स्तरीय समन्वय समिति गठित करने की मांग भी की गई। प्रवीण पाण्डेय ने कहा कि 'मेरी माटी, मेरा तीर्थ, मेरा फतेहपुर, मैं ही सँवारूँगा' के संकल्प के साथ प्रत्येक नागरिक को आगे आना चाहिए। 200 वर्षों की गौरवशाली यात्रा से प्रेरणा लेकर आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ, समृद्ध, जल-संपन्न और विकसित फतेहपुर बनाना सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है।

दीपमालिका उत्सव से पहले 19 जरूरतमंदों को बांटी खुशियां, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने वितरित की खाद्य सामग्री और मोमबत्तियां



फतेहपुर। सभी उत्सव आपसी एकता, प्रेम और खुशियों का संदेश देते हैं। मानव धर्म ही सर्वोपरि है और भारत में रहने वाले सभी लोग केवल भारतीय हैं। इसी भावना को समाज में जागरूक करने तथा धर्म और जाति के आधार पर होने वाले भेदभाव एवं संकुचित विचारों को दूर करने के उद्देश्य से डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के संयोजकत्व में दीपमालिका उत्सव से पूर्व सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। गुरुवार, 5 नवंबर 2026 को सुबह सात बजे समाजसेवी, इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के चेयरमैन एवं कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। उन्होंने राधानगर, बक्सपुर और सथरियांव क्षेत्र के कुल 19 जरूरतमंदों को लाई, गट्टा, पट्टी, मिठाई और मोमबत्तियां वितरित कीं। इनमें दिव्यांग, वृद्धजन और निराश्रित महिलाएं शामिल रहीं। वितरण के दौरान राधानगर के छह, बक्सपुर के आठ और सथरियांव के पांच जरूरतमंदों को सामग्री प्रदान की गई। डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने इस छोटे से प्रयास के माध्यम से उनके जीवन में त्योहार की थोड़ी मिठास और खुशियां लाने का प्रयास किया। उन्होंने संदेश दिया कि त्योहारों की वास्तविक खुशी तभी है, जब समाज का हर वर्ग इसमें शामिल हो और जरूरतमंदों के चेहरों पर भी मुस्कान आए। उन्होंने कहा कि सभी पर्व और उत्सव आपसी भाईचारे, सद्भाव तथा एकता की भावना को मजबूत करते हैं। समाज में धर्म और जाति से ऊपर उठकर मानवता को प्राथमिकता देनी चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता करना ही त्योहारों की सच्ची सार्थकता है। इस अवसर पर सभासद अरुण यादव, राजोल सेन तथा प्रमुख सहयोगी सुरेश कुमार श्रीवास्तव और अभिनव श्रीवास्तव उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग करते हुए सामाजिक एकता और मानवता का संदेश दिया।

दीपावली पर 19 जरूरतमंदों को बांटी खुशियां, डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने दिया सामाजिक एकता और सौहार्द का संदेश



फतेहपुर। धर्म और जाति के भेदभाव से ऊपर उठकर मानवता की सेवा करना ही त्योहारों की वास्तविक सार्थकता है। इसी भावना और 'वसुधैव कुटुम्बकम' के पवित्र संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से डॉ. सत्यनारायण सेवा फाउंडेशन के तत्वावधान में दीपावली से पूर्व सेवा कार्यक्रम आयोजित किया गया। मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को सुबह आठ बजे समाजसेवी, चेयरमैन फतेहपुर एवं इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी उत्तर प्रदेश के कार्यकारिणी सदस्य डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने जरूरतमंदों के बीच पहुंचकर दीपावली की खुशियां साझा कीं। इस दौरान श्रीकृष्ण आदर्श विद्या मंदिर दिव्यांग एवं पुनर्वास आवासीय विद्यालय के छात्रावास में रहने वाले नौ दिव्यांग बच्चों, तुराब अली के पुरवा के पांच तथा आधारपुर नई बस्ती के पांच जरूरतमंदों को खाद्य सामग्री और दीपावली की आवश्यक वस्तुएं वितरित की गईं। कुल 19 लाभार्थियों में वृद्धजन, दिव्यांग और निराश्रित महिलाएं भी शामिल रहीं।

जरूरतमन्दों,वृद्ध,दिव्यांग व निराश्रित महिलाओं को लाई, गट्टा,पट्टी,मिठाई व मोमबत्ती आदि वितरित की गई।डॉ अनुराग का मानना है कि हम सभी को आपसी भेदभाव मिटाकर प्रेम व सौहार्द से सारे त्योहार मिलकर मनाने चाहिए सभी को लाई, गट्टा, पट्टी, मिठाई और मोमबत्तियां देकर त्योहार की खुशियों में शामिल करने का प्रयास किया गया।

डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि समाज को धर्म और जातिगत भेदभाव की संकीर्ण मानसिकता से बाहर निकलकर प्रेम, भाईचारे और सौहार्द के साथ सभी त्योहार मनाने चाहिए। उनका मानना है कि ऐसे छोटे-छोटे सेवा प्रयास राष्ट्र को एकता के सूत्र में बांधने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। कार्यक्रम में प्रमुख सहयोगी अभिनव श्रीवास्तव, दिव्यांग विद्यालय के संचालक मनीष यादव, सीताराम यादव और चैतन्य कुमार उपस्थित रहे। सभी ने सेवा कार्य में सहयोग किया।

इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों की बैठक में भारत सरकार के निर्देशों के पालन पर दिया गया जोर



फतेहपुर। इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों को भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों की जानकारी देने और उनके अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पांच नवंबर 2026 को खंभापुर स्थित फतेहपुर इलेक्ट्रो होम्योपैथिक स्टडी सेंटर एंड क्लिनिक में विशेष बैठक आयोजित की गई। बैठक में चिकित्सकों, छात्र-छात्राओं और एसोसिएशन के सदस्यों ने भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडियन रेडक्रॉस सोसाइटी के जिला अध्यक्ष डॉ. अनुराग श्रीवास्तव रहे। कार्यक्रम की शुरुआत इलेक्ट्रो होम्योपैथी के जनक डॉ. काउंट सीजर मैटी के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धासुमन अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद ईएच डॉ. वकील अहमद ने उपस्थित चिकित्सकों और विद्यार्थियों को भारत सरकार की ओर से जारी निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि भारत सरकार द्वारा गठित इंटर डिपार्टमेंट कमेटी ने इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सकों और संस्थाओं की जांच शुरू कर दी है। समिति को 60 दिनों के भीतर जांच कर पहली रिपोर्ट भारत सरकार को सौंपने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी चिकित्सकों से सरकारी दिशा-निर्देशों को ध्यान में रखते हुए चिकित्सा सेवाएं संचालित करने की अपील की। मुख्य अतिथि डॉ. अनुराग श्रीवास्तव ने कहा कि चिकित्सक का पहला कर्तव्य रोगी की पीड़ा दूर करना है। चिकित्सा पद्धति कोई भी हो, चिकित्सक को उसी विधा का प्रयोग करना चाहिए जिसका उसे उचित ज्ञान हो। उन्होंने कहा कि रोगियों के साथ किसी भी प्रकार का छल नहीं होना चाहिए और चिकित्सा सेवा में ईमानदारी तथा जिम्मेदारी सर्वोपरि होनी चाहिए। अमौली से पहुंचे ईएच डॉ. देवानंद सागर ने बताया कि वह अब तक 54 नि:शुल्क चिकित्सा शिविर आयोजित कर अधिक से अधिक रोगियों को राहत पहुंचाने का प्रयास कर चुके हैं। उन्होंने भविष्य में भी इस सेवा कार्य को निरंतर जारी रखने की बात कही। बैठक में पूर्व सूबेदार मेजर हाजी अनीस उल्लाह, श्री कृष्णा आदर्श विद्या मंदिर दिव्यांग एवं आवासीय विद्यालय के प्रबंधक सीताराम यादव, प्रधानाचार्य मनीष कुमार सिंह, चैतन्य कुमार, ईएच डॉ. राम सजीवन, ईएच डॉ. विजय शंकर उमराव, डॉ. इमरान खान और ईएच छात्र अंकित कबीर सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में चिकित्सा सेवा के प्रति जिम्मेदारी और सरकारी निर्देशों के पालन का संदेश दिया गया।

नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद गोपी कृष्ण पाण्डेय का कानपुर में भव्य स्वागत, राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा ने किया सम्मानित



कानपुर। राष्ट्रीय ब्राह्मण युवजन सभा की ओर से भारतीय जनता पार्टी के नव निर्वाचित राज्यसभा सांसद गोपी कृष्ण पाण्डेय के प्रथम कानपुर नगर आगमन पर भव्य स्वागत एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज दीक्षित एडवोकेट के नेतृत्व में संपन्न हुआ। इस दौरान संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने सांसद का गर्मजोशी से स्वागत कर उन्हें बधाई दी। समारोह में राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज दीक्षित ने सांसद गोपी कृष्ण पाण्डेय को चांदी का मुकुट पहनाकर तथा स्मृति चिन्ह भेंटकर सम्मानित किया। वहीं, कार्यक्रम के संयोजक पीयूष शुक्ला ने भगवान परशुराम के प्रतीक स्वरूप फरसा भेंट कर उनका अभिनंदन किया। इस अवसर पर उपस्थित लोगों ने सांसद के राजनीतिक सफर और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं व्यक्त कीं। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज दीक्षित ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने एक सामान्य ब्राह्मण कार्यकर्ता को राज्यसभा सांसद के रूप में मनोनीत कर महत्वपूर्ण संदेश दिया है। कार्यक्रम के संयोजक पीयूष शुक्ला ने सांसद को भगवान परशुराम के प्रतीक के रूप में फरसा भेंट कर सम्मानित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पंकज दीक्षित ने अपने संबोधन में कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने एक सामान्य ब्राह्मण कार्यकर्ता को राज्यसभा सांसद के रूप में मनोनीत कर एक बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि यह सम्मान केवल गोपी कृष्ण पाण्डेय का व्यक्तिगत सम्मान नहीं है, बल्कि पूरे ब्राह्मण समाज के मान, सम्मान और स्वाभिमान से जुड़ा है। उन्होंने इस निर्णय को कार्यकर्ताओं के सम्मान और संगठन में उनकी भूमिका को महत्व देने वाला कदम बताया।

समारोह में राष्ट्रीय महासचिव संजीव मिश्रा, राष्ट्रीय संरक्षक सुबोध तिवारी, राष्ट्रीय संयोजक अनूप त्रिपाठी, पीयूष शुक्ला, युवा भाजपा नेता एवं कानपुर नगर जिला अध्यक्ष/प्रभारी सौरभ मिश्रा, अमित अवस्थी ज्योतिषाचार्य, हरी वर्मा, राजेन्द्र कुमार भट्ट, श्रवण कुमार सोनकर, उत्कर्ष तिवारी एडवोकेट, रमाकान्त यादव, ब्रजेश श्रीवास्तव, गौरव मिश्रा, उमेश द्विवेदी और सुरजीत ठाकुर सहित अनेक पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में संगठन के पदाधिकारियों ने सांसद को सम्मानित करते हुए उनके उज्ज्वल कार्यकाल की कामना की। समारोह उत्साह और संगठनात्मक एकजुटता के माहौल में संपन्न हुआ।

आचार संहिता उल्लंघन मामले में लालू प्रसाद यादव सीवान कोर्ट में हुए पेश, 2011 के मामले में आरोप तय

पटना/सीवान। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के प्रमुख लालू प्रसाद यादव शुक्रवार को सीवान स्थित अपर मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (एसीजेएम)-द्वि की अदालत में व्यक्तिगत रूप से पेश हुए। यह मामला वर्ष 2011 के बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान आदर्श आचार संहिता के कथित उल्लंघन से जुड़ा है। अदालत में लगभग पांच मिनट तक चली संक्षिप्त कार्यवाही के दौरान उनके खिलाफ लगाए गए आरोप पढ़कर सुनाए गए और आरोप तय करने की औपचारिक प्रक्रिया पूरी की गई। इस दौरान लालू प्रसाद के अधिवक्ता कामेश्वर तिवारी ने अदालत के समक्ष अपना पक्ष रखा। इससे पहले अदालत ने लालू प्रसाद को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने का निर्देश दिया था। कई बार पेश नहीं होने पर उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया गया था। साथ ही संपत्ति कुर्क करने



की प्रक्रिया शुरू करने का आदेश भी दिया गया था। हालांकि, उनके वकील की ओर से स्वास्थ्य कारणों से अनुपस्थित रहने की जानकारी दिए जाने के बाद संपत्ति कुर्की की कार्रवाई पर रोक लगा दी गई थी। अदालत के निर्देश का पालन करते हुए वह शुक्रवार को पेश हुए। मामला 8 अक्टूबर 2011 का है। आरोप है कि उस दिन लालू प्रसाद यादव राजद उम्मीदवार परमेश्वर सिंह के पक्ष में प्रचार करने दरौंदा विधानसभा क्षेत्र पहुंचे थे। वहां निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद उन्होंने बिना अनुमति जनसभा की और लाउडस्पीकर का इस्तेमाल करते हुए भाषण दिया था। तत्कालीन अंचल अधिकारी शंकर महतो ने लालू प्रसाद यादव और परमेश्वर सिंह के खिलाफ दरौंदा थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। बाद में अदालत ने दोनों के खिलाफ मामले का संज्ञान लिया। परमेश्वर सिंह का निधन हो चुका है, जबकि लालू प्रसाद के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया जारी है। गौरतलब है कि लालू प्रसाद गुरुवार शाम सीवान पहुंचे थे। रास्ते में कई स्थानों पर राजद नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इस दौरान विधान परिषद सदस्य विनोद जायसवाल, पूर्व विधायक भोला यादव और अन्य पार्टी नेता मौजूद रहे।

पटना में पुलिस और अपराधियों के बीच मुठभेड़, तीन बदमाश ढेर, मनेर थानाध्यक्ष भी घायल

टना। बिहार की राजधानी पटना में शुक्रवार सुबह पुलिस और अपराधियों के बीच हुई मुठभेड़ में तीन अपराधी मारे गए। इस दौरान मनेर थानाध्यक्ष के हाथ में गोली लग गई, जिन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद इलाके में पुलिस की चौकसी बढ़ा दी गई है और फरार अपराधियों की तलाश में छापेमारी की जा रही है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, पुलिस और एसटीएफ को गुप्त सूचना मिली थी कि आधा दर्जन से अधिक अपराधी शेरपुर में गंगा नदी के किनारे किसी बड़ी आपराधिक घटना को अंजाम देने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही एसटीएफ और मनेर थाना पुलिस की संयुक्त टीम ने इलाके की घेराबंदी कर छापेमारी शुरू की। इसी दौरान अपराधियों ने पुलिस टीम पर अचानक अंधाधुंध

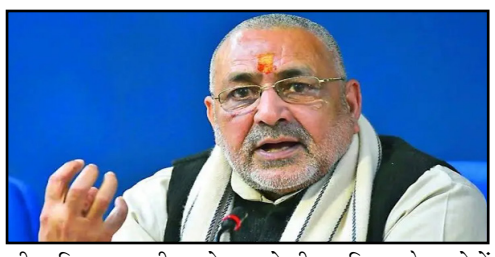


फायरिंग कर दी। गोलीबारी में मनेर थानाध्यक्ष के हाथ में गोली लग गई। इसके बाद पुलिस ने मोर्चा संभालते हुए जवाबी कार्रवाई की। पटना के एसएसपी कार्तिकेय के शर्मा के मुताबिक, मुठभेड़ के दौरान दोनों ओर से 40 से अधिक राउंड गोलियां चलीं। पुलिस की ओर से 18 राउंड फायरिंग की गई, जबकि अपराधियों ने करीब 24 से 25 राउंड गोलियां चलाईं। जवाबी कार्रवाई में तीन अपराधी मारे गए। घटनास्थल से दो पिस्टल, एक देसी कट्टा और कारतूस बरामद किए गए हैं। वहीं, अंधेरे का फायदा उठाकर कुछ अपराधी मौके से फरार हो गए। एसएसपी ने बताया कि मारे गए अपराधियों का पहले से आपराधिक इतिहास रहा है। हाल ही में मनेर में अष्टमी के दिन हुई हत्या की घटना में भी उनकी संलिप्तता सामने आई थी।

तीनों इस हत्याकांड में वांछित थे। इसके अलावा दानापुर और शाहपुर सहित अन्य थानों में भी उनके खिलाफ आपराधिक मामले दर्ज थे। मुठभेड़ के बाद वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों ने घटनास्थल का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है। फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दी जा रही है। पुलिस पूरे मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

गिरिराज सिंह का राहुल गांधी पर हमला, बोले- देश में अराजकता फैलाने की कोशिश का पर्दाफाश हुआ

पटना। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि विपक्ष देश में अराजकता और गृहयुद्ध जैसी स्थिति पैदा करना चाहता था। उन्होंने दावा किया कि इसके पीछे बाहरी ताकतों और कट्टरपंथी तत्वों का हाथ था तथा राहुल गांधी ऐसे लोगों के राजनीतिक औजार बन गए थे। हालांकि, ये सभी आरोप गिरिराज सिंह के व्यक्तिगत राजनीतिक दावे हैं। गिरिराज सिंह ने कहा कि कुछ तत्व देश में ऐसा माहौल बनाना चाहते थे, जिससे पुलिस की ओर से गोलीबारी हो और सरकार गिर जाए। उन्होंने शाहीन बाग से जुड़े लोगों और कुछ मुस्लिम युवाओं



की भूमिका का भी आरोप लगाया। उनके अनुसार, देश में वैसी स्थिति पैदा करने की कोशिश थी, जैसी फ्रांस, श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल में देखने को मिली। केंद्रीय मंत्री ने राहुल गांधी के बयानों का जिक्र करते हुए कहा कि वे लगातार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हटाने और जेल भेजने की बातें करते हैं। उन्होंने गांधी परिवार से जुड़े कानूनी मामलों और राहुल गांधी पर दोहरी नागरिकता के आरोपों का भी उल्लेख किया। ये आरोप और मामले अपने-अपने कानूनी संदर्भों में देखे जाने चाहिए। एसआईआर और मतदाता सूची से नाम हटाए जाने के मुद्दे पर गिरिराज सिंह ने कहा कि मृत, लापता, दोहरी प्रविष्टि वाले और भारतीय नागरिक नहीं होने वाले लोगों के नाम हटाना चुनावी प्रक्रिया का हिस्सा है। उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष इस मुद्दे पर भ्रम फैला रहा है और अब तक अपने दावों के समर्थन में ठोस सबूत प्रस्तुत नहीं कर पाया है। उन्होंने कहा कि भारत संविधान और बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के बनाए कानूनों से चलने वाला लोकतांत्रिक देश है।

यहां हिंसा और अराजकता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। उन्होंने विपक्ष से सुप्रीम कोर्ट और संवैधानिक संस्थाओं पर भरोसा रखने की अपील की। गिरिराज सिंह ने अंत में कहा कि देश का युवा स्वामी विवेकानंद को अपना आदर्श मानता है। भारत को विकास के रास्ते पर आगे बढ़ना चाहिए, न कि राजनीतिक टकराव और अव्यवस्था की ओर।

'मैं उन्हें बांग्लादेश भेज दूंगा, वहां चुनाव जीतते रहो', बिहार के पूर्णिया से मुख्यमंत्री सरमा का करारा तंज

पूर्णिया। बिहार के पूर्णिया में बुधवार को भारतीय जनता पार्टी की ओर से 'लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ' पदयात्रा का आयोजन किया गया। इसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वा सरमा शामिल हुए। उनके साथ बिहार सरकार के मंत्री दिलीप कुमार जायसवाल और रत्नेश सदा सहित भाजपा के कई नेता और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री सरमा ने तेज गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में पहुंचे लोगों का आभार जताया और उनके साथ पदयात्रा में शामिल होने की बात कही। इस दौरान हिमंता बिस्वा सरमा ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के 'वोट चोरी' संबंधी आरोपों पर पलटवार किया। उन्होंने कहा कि देश में चोरी जरूर हो रही है, लेकिन वह वोटों की नहीं, बल्कि दिलों की चोरी है। उन्होंने दावा किया कि चुनाव जीतने के लिए लोगों का विश्वास और दिल जीतना जरूरी है, न कि हार के बाद शिकायत करना। मुख्यमंत्री



ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि वे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर पा रहे हैं। उन्होंने व्यंग्यात्मक अंदाज में राहुल गांधी को बांग्लादेश भेजने संबंधी टिप्पणी भी की। उनके इस बयान को लेकर राजनीतिक माहौल गरमाने की संभावना है। राहुल गांधी के दीपावली पर प्रधानमंत्री को गुलाब के साथ शुभकामना देने वाले वीडियो पर भी सरमा ने टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि गुलाब वैलेंटाइन डे पर दिए जाते हैं, दीपावली पर नहीं। साथ ही उन्होंने राहुल गांधी को भारतीय संस्कृति की जानकारी रखने की सलाह दी। सरमा ने विपक्ष के नेता के रूप में राहुल गांधी की भूमिका पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के साथ राजनीतिक मुद्दों पर बहस संसद में होनी चाहिए, सड़कों पर नहीं। उन्होंने कहा कि संसद चर्चा और संवाद का उचित मंच है तथा विपक्ष को वहां शांतिपूर्वक अपनी बात रखनी चाहिए। एसआईआर के विरोध पर भी उन्होंने कांग्रेस को घेरा।

सरमा ने कहा कि चुनाव जीतने के लिए जनता के बीच काम करना और उनका विश्वास हासिल करना जरूरी है। उनके अनुसार, चुनावी हार के बाद आरोप लगाने और हंगामा करने से सफलता नहीं मिलती। कार्यक्रम के दौरान भाजपा नेताओं ने पदयात्रा के माध्यम से लोकतंत्र और राजनीतिक जवाबदेही का संदेश देने की बात कही।

भाजपा में शामिल हुए दो निर्दलीय एमएलसी की सदस्यता रद्द करने की मांग, जन सुराज ने सभापति को सौंपा पिटीशन

पटना। बिहार में नवनिर्वाचित निर्दलीय विधान पार्षद बंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज के भाजपा में शामिल होने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। सोमवार को जन सुराज के प्रतिनिधिमंडल ने पूर्व विधायक किशोर कुमार मुन्ना के नेतृत्व में बिहार विधान परिषद के कार्यकारी सभापति प्रो. डॉ. रामवचन राय से मुलाकात कर दोनों विधान पार्षदों की सदस्यता रद्द करने की मांग की। इस संबंध में प्रतिनिधिमंडल ने सभापति को पिटीशन सौंपा। जन सुराज के नेताओं का आरोप है कि तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित बंशीधर ब्रजवासी



और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित राहुल राज ने चुनाव जीतने के 72 घंटे के भीतर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कर ली। प्रतिनिधिमंडल ने इसे संविधान की दसवीं अनुसूची के प्रावधानों के विपरीत बताते हुए कानूनी कार्रवाई की मांग की। किशोर कुमार मुन्ना ने कहा कि निर्दलीय निर्वाचित सदस्य यदि चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होता है तो उसकी सदस्यता समाप्त किए जाने का प्रावधान है। उन्होंने सभापति से संबंधित पक्ष को नोटिस जारी करने और उचित कार्रवाई करने की मांग की। इस मामले में निर्वाचन आयोग, बिहार के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी, मुख्य सचिव और संबंधित आयुक्त को भी पक्षकार बनाया गया है प्रतिनिधिमंडल ने मीडिया में प्रकाशित खबरों, बयानों और अन्य साक्ष्यों की पेन ड्राइव भी सभापति को सौंपी। सभापति ने कानूनी विशेषज्ञों से सलाह लेकर नियमानुसार कार्रवाई का आश्वासन दिया। पूर्व विधान पार्षद रामबली सिंह चंद्रवंशी ने भी न्याय मिलने की उम्मीद जताई। प्रतिनिधिमंडल में सुभाष कुशवाहा, तेज नारायण सहनी, सुरेश पटेल और ओबैदुर रहमान सहित अन्य सदस्य मौजूद रहे।

चक्रवाती तूफान अर्णब की बारिश से बिहार में फसलों को नुकसान, खेतों में गिरी धान की तैयार फसल

पटना। बिहार में चक्रवाती तूफान अर्णब के प्रभाव से तेज हवा के साथ हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है। कई इलाकों में खेतों में तैयार खड़ी धान की फसल गिर गई है, वहीं केला और सब्जियों की खेती को भी नुकसान पहुंचा है। किसानों का कहना है कि बारिश ने उनकी महीनों की मेहनत पर पानी फेर दिया है। पटना जिले में धान की फसल सबसे अधिक प्रभावित हुई है। कृषि वैज्ञानिकों के अनुसार, तेज हवा और बारिश के कारण



धान की बालियां झुककर जमीन पर गिर गई हैं। इससे दाने झड़ने और खराब होने का खतरा बढ़ गया है। देर से पकने वाली किस्मों को ज्यादा नुकसान पहुंचने की आशंका है। खेतों में पानी भरने से कटाई और फसल को सुखाने में भी परेशानी हो रही है। भीगे धान के दाने काले पड़ने पर बाजार में उनकी कीमत घट सकती है। खुसरूपुर और धनरुआ सहित ग्रामीण क्षेत्रों में गोभी, टमाटर, मिर्च और कद्दू की फसल प्रभावित हुई है। जलजमाव से आलू और सरसों की खेती पर भी असर पड़ने की आशंका है। फल लगे केले के पेड़ गिरने से किसानों को नुकसान हुआ है। कृषि विशेषज्ञों के मुताबिक, धान की बालियों में दाने भरने के समय तेज हवा और बारिश फसल को गिरा देती है।

इससे उत्पादन प्रभावित हो सकता है। इसके अलावा खेतों में नमी और जलजमाव के कारण आगामी रबी सीजन में दलहन और तिलहन की बुआई में देरी की आशंका है। फिलहाल किसान खेतों से पानी निकालने और बची हुई फसल को सुरक्षित रखने में जुटे हैं।

निर्दलीय एमएलसी के भाजपा में शामिल होने पर विवाद गहराया, तेजस्वी ने सदस्यता रद्द करने की मांग उठाई

पटना। बिहार विधान परिषद के दो निर्दलीय सदस्यों के भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) में शामिल होने को लेकर राजनीतिक विवाद गहरा गया है। नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बंशीधर ब्रजवासी और राहुल राज की सदस्यता दलबदल विरोधी कानून के तहत तत्काल समाप्त करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद कोई निर्दलीय एमएलसी किसी राजनीतिक दल की सदस्यता ग्रहण नहीं कर सकता। ऐसा करने पर उसकी सदस्यता समाप्त की जा सकती है। तेजस्वी यादव ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि इस मामले में कार्रवाई नहीं हुई तो यह संविधान की भावना के विपरीत होगा। यह पूरा विवाद तिरहुत स्नातक निर्वाचन क्षेत्र से निर्वाचित बंशीधर ब्रजवासी और सारण शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र से चुने गए राहुल राज से जुड़ा है। दोनों ने हाल ही में हुए बिहार विधान परिषद चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। इसके बाद उनके भाजपा में शामिल होने की बात सामने आई, जिसके बाद विपक्ष ने इस पर सवाल उठाने शुरू कर दिए। सोमवार को पूर्व एमएलसी प्रोफेसर रामबली सिंह चंद्रवंशी के नेतृत्व में जन सुराज पार्टी का प्रतिनिधिमंडल बिहार विधान परिषद पहुंचा। प्रतिनिधिमंडल ने सभापति अवधेश नारायण सिंह से मुलाकात कर दोनों सदस्यों की सदस्यता समाप्त करने की मांग वाली औपचारिक याचिका और संबंधित दस्तावेज सौंपे। सभापति से मुलाकात के बाद चंद्रवंशी ने मीडिया से बातचीत में कहा कि बिहार लोकतंत्र की जन्मस्थली माना जाता है और यहां लोकतांत्रिक मूल्यों के साथ किसी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। चंद्रवंशी ने आरोप लगाया कि चुनाव जीतने के



महज 72 घंटे के भीतर दोनों एमएलसी भाजपा कार्यालय पहुंचे और औपचारिक रूप से पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर ली। उनके अनुसार, दोनों को सदस्यता की रसीदें भी दी गईं और कार्यक्रम के दौरान उन्होंने भाजपा का अंगवस्त्र पहना था। उन्होंने दावा किया कि प्रतिनिधिमंडल ने सदस्यता रसीदों के नंबर सहित सभी दस्तावेजी साक्ष्य सभापति को सौंप दिए हैं। उन्होंने भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी पर आरोप लगाया कि कानूनी कार्रवाई की संभावना सामने आने के बाद सोशल मीडिया से दोनों एमएलसी से संबंधित पोस्ट हटा दी गईं। बाद में यह दावा किया गया कि दोनों सदस्य केवल भाजपा को समर्थन देने के लिए पार्टी कार्यालय पहुंचे थे। चंद्रवंशी ने अपने पुराने मामले का हवाला देते हुए कहा कि करीब तीन वर्ष पहले उन्हें भी इसी विधान परिषद में दल-बदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि कानूनी कार्रवाई की संभावना सामने आने के बाद भाजपा प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने सोशल मीडिया से उनसे संबंधित पोस्ट हटा दीं और बाद में दावा किया कि दोनों एमएलसी केवल भाजपा को समर्थन देने के लिए पार्टी कार्यालय गए थे। चंद्रवंशी ने कहा कि जन सुराज के प्रतिनिधिमंडल ने सदस्यता रसीदों के नंबर सहित सभी दस्तावेजी साक्ष्य विधान परिषद सभापति को सौंप दिए हैं और अब इस मामले को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पार्टी के टिकट पर चुने गए सदस्यों के मामलों में कुछ व्याख्या की गुंजाइश हो सकती है, लेकिन 52वें संविधान संशोधन के तहत निर्दलीय सदस्यों के मामले में कानून बिल्कुल स्पष्ट है। यदि कोई निर्दलीय सदस्य चुनाव जीतने के बाद किसी राजनीतिक दल में शामिल होता है तो उसकी सदस्यता तत्काल समाप्त की जा सकती है।' उन्होंने कहा कि 52वें संविधान संशोधन के तहत निर्दलीय सदस्यों के राजनीतिक दल में शामिल होने को लेकर कानून स्पष्ट है। जन सुराज पार्टी ने सभापति से उपलब्ध साक्ष्यों की जांच कर उचित कार्रवाई करने की मांग की है। वहीं, इस विवाद ने बिहार की राजनीति में नई बहस छेड़ दी है। अब सबकी निगाहें सभापति के फैसले और मामले में होने वाली कानूनी कार्रवाई पर टिकी हैं।

भाजपा को काशी में जनता ने डबल हार और डबल जीरो दिया : अखिलेश यादव

वाराणसी। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को वाराणसी पहुंचकर भाजपा सरकार पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि काशी की जनता ने विधान परिषद चुनाव में भाजपा को दोहरी हार का संदेश दिया है। जो लोग डबल इंजन और डबल रफ्तार विकास की बात करते थे, उन्हें बनारस की जनता ने डबल हार और डबल जीरो दिया है। अखिलेश यादव ने तंज कसते हुए कहा कि भाजपा के जाने पर ही बनारस मुस्कुराएगा। एमएलसी चुनाव में समाजवादी पार्टी की जीत के बाद पहली बार काशी पहुंचे अखिलेश यादव का लाल बहादुर शास्त्री अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट पर पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने जोरदार स्वागत किया। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि विधान परिषद चुनाव में सपा के नेताओं आशुतोष सिन्हा और लाल बिहारी यादव



की जीत ने भाजपा के दावों की हकीकत सामने ला दी है। जनता ने भाजपा को नकारने का काम किया है। अखिलेश यादव ने वाराणसी की यातायात व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा कि शहर में जाम की समस्या लगातार गंभीर बनी हुई है। भाजपा सरकार इस समस्या का समाधान करने में नाकाम रही है और काशी के साथ भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने वादा किया कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर वाराणसी में मेट्रो का निर्माण कराया जाएगा। इससे शहर की यातायात व्यवस्था बेहतर होगी और लोगों को आवागमन में सहूलियत मिलेगी। उन्होंने रोपवे और अंतरराष्ट्रीय स्टेडियम जैसी परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए भाजपा सरकार पर निशाना साधा। अखिलेश ने सवाल उठाया कि इन परियोजनाओं के सहारे पूरे पूर्वांचल को जीतने की बात क्यों कही जा रही है। उन्होंने कहा कि सबसे पहले धोखा देने वाले लखनऊ वाले ही हैं। सपा प्रमुख ने किसानों की समस्याओं, बेरोजगारी और शहर में गंदगी का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने दावा किया कि भाजपा सरकार के जाने के बाद नौजवानों, किसानों और समाज के सभी वर्गों के लिए खुशहाली का रास्ता खुलेगा।

एयरपोर्ट पर पत्रकारों से बातचीत के बाद अखिलेश यादव डाफी स्थित सपा के दिवंगत नेता राजेश यादव नत्थू के आवास पहुंचे। वहां उन्होंने उनके चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और पत्नी चंदा यादव सहित परिजनों से मुलाकात कर संवेदना व्यक्त की। इस दौरान बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद रहे। अखिलेश ने वहां उपस्थित लोगों से भी मुलाकात की।

उस्ताद बिस्मिल्लाह खां का पैतृक मकान परिवार की सहमति से बनेगा, उनका कमरा संग्रहालय के रूप में होगा संरक्षित

वाराणसी। भारत रत्न उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के पैतृक मकान को तोड़े जाने को लेकर उठे विवाद पर उनके परिवार के सदस्यों ने विपक्ष के आरोपों को खारिज किया है। परिवार का कहना है कि करीब 100 साल पुराना मकान जर्जर हालत में था और उसका पुनर्निर्माण सभी सदस्यों की सहमति तथा प्रशासन से आवश्यक अनुमति मिलने के बाद कराया जा रहा है। परिवार ने स्पष्ट किया कि उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के कमरे को संग्रहालय के रूप में संरक्षित किया जाएगा, जहां उनकी स्मृतियों और उपयोग की वस्तुओं को सुरक्षित रखा जाएगा। उस्ताद के परपोते ने आरोपों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि मकान के निर्माण में किसी प्रकार की जबरदस्ती नहीं की गई है। यह पूरी तरह पारिवारिक निर्णय है और परिवार के सभी सदस्य मिलकर इसका निर्माण करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रशासन से



आवश्यक अनुमतियां प्राप्त हैं और उसकी निगरानी में ही कार्य किया जा रहा है। सोशल मीडिया पर इस मामले को लेकर किए जा रहे दावे गलत हैं। उस्ताद बिस्मिल्लाह खां के पोते मोहम्मद सिब्तैन ने भी कहा कि मकान लगभग 1920 के आसपास बना था और काफी जर्जर हो चुका था। उसकी हालत ऐसी थी कि कभी भी हादसा हो सकता था। इसी वजह से परिवार ने मिलकर पुनर्निर्माण कराने का फैसला लिया। उन्होंने कहा कि न तो सरकार की ओर से कोई दबाव है और न ही पुलिस ने किसी तरह की जबरदस्ती की है। मोहम्मद सिब्तैन के मुताबिक, उस्ताद की स्मृति को स्थायी रूप से सुरक्षित रखने के लिए एक स्मारक और संग्रहालय बनाया जाएगा। उनके कमरे में उपयोग की गई वस्तुएं, तस्वीरें और उनसे जुड़ी अन्य यादगार चीजें रखी जाएंगी। इससे दूर-दराज से आने वाले पर्यटक और संगीत प्रेमी उस्ताद के जीवन से जुड़ी स्मृतियों को देख सकेंगे।

उन्होंने स्पष्ट किया कि पूरे मकान को संग्रहालय में तब्दील नहीं किया जा रहा है। केवल उस्ताद से जुड़ी स्मृतियों को संरक्षित करने की व्यवस्था की जाएगी। संग्रहालय का पूरा स्वरूप अभी तय नहीं हुआ है और निर्माण कार्य धीरे-धीरे आगे बढ़ेगा। परिवार का कहना है कि यह कोई बड़ा सरकारी प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि उस्ताद के प्रति श्रद्धा और सम्मान से जुड़ा निजी प्रयास है। इसका उद्देश्य आने वाली पीढ़ियों तक उनकी विरासत और योगदान को पहुंचाना है।

जेफरी सैक्स ने दुनिया से शांति और हरित ऊर्जा अपनाने का किया आह्वान, भारत को स्वतंत्र विदेश नीति की दी सलाह

वाराणसी में आयोजित विश्व संगोष्ठी 'आधुनिक चुनौतियों के लिए प्राचीन ज्ञान' के दूसरे दिन संयुक्त राष्ट्र सतत विकास समाधान नेटवर्क (एसडीएसएन) के अध्यक्ष जेफरी सैक्स ने दुनिया को शांति, सामंजस्य और हरित ऊर्जा की राह अपनाने का संदेश दिया। उन्होंने ईरान पर युद्ध को अनुचित और अवैध बताते हुए अमेरिका को संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का पालन करने की नसीहत दी। साथ ही भारत को स्वतंत्र विदेश नीति बनाए रखने और चीन विरोधी क्वाड की रणनीति से दूरी रखने की सलाह दी। जेफरी सैक्स ने



कहा कि जलवायु परिवर्तन की चुनौती से निपटने के लिए कोयला, तेल और प्राकृतिक गैस पर निर्भरता कम करनी होगी। सौर, पवन और सुरक्षित परमाणु ऊर्जा जैसे विकल्पों को बढ़ावा देकर ऊर्जा प्रणाली को कार्बन मुक्त बनाया जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों पर बोलते हुए सैक्स ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों की आलोचना की। उन्होंने कहा कि ईरान पर युद्ध वैश्विक अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुंचा रहा है। अमेरिका को अन्य देशों की तरह संयुक्त राष्ट्र चार्टर के नियमों का सम्मान करना चाहिए। भारत की भूमिका पर उन्होंने कहा कि भारत एक बड़ी शक्ति है और उसे बहुपक्षवाद को मजबूत करने के लिए स्वतंत्र रुख अपनाना चाहिए। उन्होंने क्वाड की चीन विरोधी नीति का समर्थन नहीं किया। उनके अनुसार, भारत, चीन, अमेरिका, रूस और यूरोपीय संघ जैसी शक्तियों को एक-दूसरे की संप्रभुता का सम्मान करना चाहिए। वहीं, रोम के लुम्सा विश्वविद्यालय के एमेरिटस प्रोफेसर मार्सेलो सांचेज सोरोंडो ने मध्य पूर्व में शांति स्थापित करने के लिए संवाद और समझौते पर जोर दिया।

उन्होंने परमाणु हथियारों के इस्तेमाल से बचने तथा प्राचीन ज्ञान और मानवीय मूल्यों की ओर लौटने का आह्वान किया।

काशी पहुंचीं कंगना रनौत, पीएम मोदी की तारीफ में बोलीं- बनारस का हुआ कायाकल्प

वाराणसी । भाजपा सांसद और अभिनेत्री कंगना रनौत वाराणसी दौरा करने के लिए पहुंची है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ की और कहा कि उत्तर प्रदेश में जो विकास हो रहा है, उसे पूरी दुनिया देख रही है। अभिनेत्री ने मीडिया संग बातचीत में बताया कि वह काशी में अपने निजी कार्य से आई हैं। उन्होंने कहा, 'हम यहां पर किसी काम से आए हैं, लेकिन हमेशा से ही बनारस हमारे दिल के करीब रहा है। यहां आकर घूमने-फिरने के लिए मन बहुत उत्सुक हो जाता है और ऐसा होगा भी। हम सभी यहां के विभिन्न स्थानों पर घूमेंगे-फिरेंगे, यहां से खरीदारी भी करेंगे। साथ ही, यहां का आनंद भी लेंगे।' समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने वाराणसी (काशी) के दौरे पर बयान दिया था कि



उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर बनारस (काशी) में मेट्रो चलाई जाएगी। अखिलेश यादव के इस बयान पर पलटवार करते हुए कंगना ने कहा, 'प्रधानमंत्री मोदी जी ने बनारस में पहले ही लाखों-करोड़ों रुपए का निवेश किया है और यहां का कायाकल्प कर दिया है। अखिलेश यादव की जब सरकार थी, तब उन्होंने बनारस में क्या-क्या काम किए थे? उनके पिताजी समेत पार्टी के अन्य लोगों ने किस तरह से गोलियां चलवाई थीं? उस समय बनारस का क्या हाल था? काशी, अयोध्या समेत यूपी का उद्धार दिन-ब-दिन हो रहा है, उसे पूरी दुनिया देख ही रही है। यह मुझे बताने की जरूरत नहीं है।' बता दें कि अखिलेश यादव ने वाराणसी (काशी) दौरे के दौरान कहा था कि सपा सरकार बनने पर वाराणसी की ट्रैफिक और जाम की समस्या को खत्म करने के लिए मेट्रो परियोजना लाई जाएगी, जिसकी योजना उनकी पिछली सरकार के समय 10-11 साल पहले बनाई गई थी। उन्होंने यह भी वादा किया था कि उनकी सरकार बनने के बाद वरुणा नदी पर रिवरफ्रंट के काम को फिर से शुरू किया जाएगा, ताकि साबरमती रिवरफ्रंट से भी बेहतर नदी का सौंदर्यीकरण किया जा सके।

पुलिस टीम पर फायरिंग के मामले में दो और बदमाश गिरफ्तार, मुठभेड़ में पैर में लगी गोली

वाराणसी। लंका थाना क्षेत्र में पुलिस टीम पर फायरिंग कर कांस्टेबल अमित शुक्ला को गोली मारने के मामले में पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो और आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनकी पहचान अंजनी झा और राजू तिवारी के रूप में हुई है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। घायल आरोपियों को उपचार के लिए बीएचयू ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने उनके कब्जे से वारदात में इस्तेमाल अवैध असलहे भी बरामद किए हैं। डीसीपी गौरव बंसवाल के अनुसार, शुक्रवार शाम लंका थाने की क्राइम टीम के चार पुलिसकर्मी असलहा तस्करी से जुड़े संदिग्धों की तलाश में सुंदरपुर स्थित आशुतोष नगर कॉलोनी पहुंचे थे। वहां दो युवकों को पकड़कर पूछताछ की जा रही थी। इसी दौरान



एक युवक ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। डीसीपी गौरव बंसवाल ने बताया कि शुक्रवार शाम लंका थाने की क्राइम टीम के चार पुलिसकर्मी असलहा तस्करी से जुड़े संदिग्धों की तलाश में सुंदरपुर स्थित आशुतोष नगर कॉलोनी पहुंचे थे। पुलिस टीम ने मौके से दो युवकों को पकड़कर पूछताछ शुरू की। हमले में कांस्टेबल अमित शुक्ला के पेट, पीठ और हाथ में तीन गोलियां लगीं। उन्हें गंभीर हालत में बीएचयू ट्रॉमा सेंटर पहुंचाया गया, जहां इलाज जारी है। घटना के बाद पुलिस ने आरोपियों की तलाश में कई टीमें लगाईं। शुक्रवार रात लोटूबीर के पास मुठभेड़ में आरोपी राज विश्वकर्मा को गोली लगी और उसे गिरफ्तार कर लिया गया था, जबकि उसके दो साथी फरार हो गए थे। पूछताछ में मिली जानकारी के आधार पर पुलिस टीम आरोपियों द्वारा सामने घाट के सुनसान स्थान पर छिपाए गए हथियार बरामद करने पहुंची। पुलिस के मुताबिक, इसी दौरान अंजनी झा और राजू तिवारी ने असलहे निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। जवाबी कार्रवाई में दोनों घायल हो गए। इस मामले में अब तक तीन आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

संबित पात्रा ने एसआईआर पर कांग्रेस को घेरा, बोले- मतदाता सूची का शुद्धीकरण गलत कैसे

वाराणसी। भाजपा सांसद संबित पात्रा वाराणसी पहुंचे, जहां उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर कांग्रेस और राहुल गांधी पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि काशी की पवित्र धरती पर आना उनके लिए गर्व की बात है। यह महादेव की नगरी है और यहां का कण-कण भगवान शिव का प्रतीक है। उन्होंने सबसे पहले इस पवित्र भूमि को नमन किया। एसआईआर को लेकर देश में बनाए जा रहे माहौल पर सवाल उठाते हुए संबित पात्रा ने आरोप लगाया कि सत्ता परिवर्तन के उद्देश्य से भ्रामक और उत्तेजक वातावरण तैयार किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि काशी की धरती से एसआईआर को लेकर भाजपा पर लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देना चाहते हैं। उनके अनुसार, देश में अब तक 12 बार एसआईआर की प्रक्रिया हो



चुकी है, जिनमें से 10 बार कांग्रेस के शासनकाल में और दो बार भाजपा सरकार के कार्यकाल में हुई। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस के समय यह प्रक्रिया सही थी, लेकिन वर्तमान सरकार मतदाता सूची के शुद्धीकरण के लिए इसे आगे बढ़ा रही है तो इस पर आपत्ति क्यों जताई जा रही है? भाजपा सांसद ने राहुल गांधी के 13 करोड़ वोट चोरी होने के आरोप पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि यदि वास्तव में इतने बड़े पैमाने पर वोट चोरी हुई होती तो देश की स्थिति अलग होती और लोग सड़कों पर उतरकर आंदोलन कर रह होते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस एसआईआर की वजह से नहीं, बल्कि अपने कर्मों के कारण सत्ता से बाहर हुई है। संबित पात्रा ने राहुल गांधी के मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) को लेकर दिए गए बयान पर भी सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सीईसी को कांग्रेस का एजेंट बता रहे हैं, जबकि एजेंट शब्द के अर्थ पर भी चर्चा होनी चाहिए।

उन्होंने रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली को भी निशाने पर लिया। पात्रा के मुताबिक, कांग्रेस ने 10 लाख लोगों के जुटने का दावा किया था, लेकिन उनके अनुमान के अनुसार 20 हजार लोग भी एकत्र नहीं हुए और मैदान लगभग 50 प्रतिशत खाली रहा। उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि कांग्रेस एसआईआर के आंकड़ों की तरह भीड़ के आंकड़े भी गलत बताती है।

छठ पूजा को लेकर गौतमबुद्धनगर पुलिस अलर्ट, यमुना घाट का निरीक्षण कर सुरक्षा व्यवस्था परखे अधिकारी

नोएडा। आगामी छठ पूजा पर्व को शांतिपूर्ण और सकुशल संपन्न कराने के लिए गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने तैयारियां तेज कर दी हैं। यमुना घाट पर बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए पुलिस अधिकारियों ने सुरक्षा, भीड़ प्रबंधन और आवागमन की व्यवस्थाओं का निरीक्षण शुरू कर दिया है। इसी क्रम में पुलिस कमिश्नर लक्ष्मी सिंह के निर्देशन में बुधवार को थाना सेक्टर-126 क्षेत्रांतर्गत स्थित यमुना घाट का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण डीसीपी नोएडा प्रीति यादव के पर्यवेक्षण में संपन्न हुआ। इस दौरान एडीसीपी नोएडा अभय कुमार मिश्र और एसीपी-1 नोएडा प्रवीण कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने घाट और उसके आसपास के क्षेत्रों का जायजा लेते हुए छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जरूरी व्यवस्थाओं की समीक्षा की। अधिकारियों ने मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों को निर्देश दिए कि पर्व के दौरान घाट पर आने वाले प्रत्येक श्रद्धालु की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। घाट तक पहुंचने और पूजा के बाद वापस लौटने के दौरान आवागमन सुगम बनाए



रखने के लिए उचित प्रबंध किए जाएं। भीड़ नियंत्रण के साथ-साथ किसी भी प्रकार की अव्यवस्था रोकने और शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए पुलिसकर्मियों को सतर्क रहने को कहा गया। कि छठ पूजा शुरू होने से पहले सभी आवश्यक सुरक्षा इंतजाम समय से पूरे कर लिए जाएं। ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मी अपने निर्धारित स्थानों पर मुस्तैद रहें और श्रद्धालुओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारी से कार्य करें। किसी भी आपात स्थिति या अव्यवस्था की आशंका होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए भी पुलिस बल को तैयार रहने को कहा गया। गौरतलब है कि छठ पूजा के अवसर पर श्रद्धालु यमुना घाटों पर एकत्र होकर अस्ताचलगामी और उदीयमान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करते हैं। इस दौरान घाटों पर काफी भीड़ रहती है। ऐसे में सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण और सुचारु आवागमन की व्यवस्था महत्वपूर्ण हो जाती है। गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट ने स्पष्ट किया है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा के लिए सभी जरूरी इंतजाम किए जाएंगे।

पर्व के दौरान शांति और सुव्यवस्थित आयोजन सुनिश्चित करने के लिए पुलिसकर्मियों को पूरी सतर्कता और जिम्मेदारी के साथ ड्यूटी निभाने के निर्देश दिए गए हैं।